



भारत का राजपत्र The Gazette of India

असाधारण
EXTRAORDINARY

भाग I—खण्ड 1
PART I—Section 1

प्राधिकार से प्रकाशित
PUBLISHED BY AUTHORITY

सं. 206]
No. 206]

नई दिल्ली, मंगलवार, अक्तूबर, 4 1988/आश्विन 12, 1910
NEW DELHI, TUESDAY, OCTOBER 4, 1988/ASVINA 12, 1910

इस भाग में भिन्न पृष्ठ संख्या दी जाती है जिससे कि यह अलग संकलन के रूप में
रखा जा सके

Separate Paging is given to this Part in order that it may be filed as a
separate compilation

वाणिज्य मंत्रालय

आयात व्यापार नियंत्रण

सार्वजनिक सूचना सं. 58 आई टी सी (पी एन)/88-91

नई दिल्ली, 4 अक्तूबर, 1988

वाणिज्य मंत्रालय की सार्वजनिक सूचना सं. 58-(पी. एन.)

88-91 दिनांक 4-10-1988 का परिशिष्ट

एफ ए सी टी के कोचीन प्रभाग में प्रतिरिक्त प्लांट पावर जेनरेशन
सुविधाओं (12 मेगावाट स्टीम टरबाइन जेनरेटर) की स्थापना के
लिए 2000 बिलियन येन क्रेडिट के अन्तर्गत उपस्कर/सिवाओं के
संबंध में लाइसेंसिंग शर्तें।

विषय:—एफ. ए. सी. टी. के कोचीन प्रभाग में प्रतिरिक्त प्लांट पावर
जेनरेशन सुविधाएं (12 मेगावाट स्टीम टरबाइन जेनरेटर) लगाने
के लिए 2,000 बिलियन येन क्रेडिट के अन्तर्गत उपस्कर/सिवाओं
के आयात के सम्बन्ध में लाइसेंसिंग शर्तें।

आई. पी. सी./23(46)/88--91 उर्वरक और रसायन ट्रावेलर
लि. (एफ. ए. सी. टी.) के कोचीन प्रभाग में प्रतिरिक्त प्लांट पावर
जेनरेशन सुविधाओं (12 मेगावाट स्टीम टरबाइन जेनरेटर) की स्थापना
के लिए 2,000 बिलियन येन क्रेडिट के अन्तर्गत उपस्कर/सिवाओं के
आयातों को शामिल करने वाली शर्तें जो इस सार्वजनिक सूचना के परिशिष्ट
में दी गई हैं, जानकारी के लिए अधिसूचना की जा रही है।

राजीव गोचन मिश्र, मुख्य नियंत्रक, आयात-नियंत्रण

खण्ड-1 सामान्य शर्तें:—

1(1) एफ. ए. सी. टी. के कोचीन प्रभागों की आयात आवे-
यकता को वित्तदान करने के लिए जापान की विदेशी आर्थिक सहयोग निधि
(ओ. ई. सी. एफ.) द्वारा प्रदान किया गया 2000 बिलियन येन का
ऋण जापान और विकसित देशों जिसमें भारत और ओ. ई. एफ. सी.
के सभी सदस्य देश शामिल हैं के लिए खुला है - तबतक जब तक क्रेडिट
के अधीन अधिप्राप्त की जाने वाली वस्तुएं और सेवाएं जापान और
अनुबंध-1 की सूची में उद्धृत सभी देशों (भारत सहित) से अधिप्राप्त की
जा सकती हैं। ये देश इस ऋण के अन्तर्गत पात्र लोग देश होंगे।

1(2) क्रेडिट के अधीन उन्हीं सबों और उनके मूल्य के लिए लाइसेंस
प्राप्ति की जा सकती है जिनके लिए महानिदेशालय, तकनीकी विकास

पूँजीगत माल समिति द्वारा विशेष रूप से निकासी कर दी गई हो। इस क्रेडिट के अधीन जारी किए गए आयात लाइसेंस (सों) येन का मूल्य 2.2000 बिलियन (लागत-बीमा-भाड़ा) येन से अधिक नहीं होना चाहिए।

आयात लाइसेंस का रूप में मूल्य, राजस्व विभाग (सीमाशुल्क) द्वारा अधिसूचित विनियम वर और आयात लाइसेंस जारी करने की तिथि को प्रचलित वर और मुख्य नियंत्रक, आयात-निर्यात द्वारा जारी की गई सार्वजनिक सूचना सं. 78-आई टी सी (पी एन)/74, दिनांक 6 जून, 1974 के पैरा 2 के अनुसार आयात लाइसेंस में सकेतिक वर पर निर्धारित किया जाएगा, जिसमें यह उल्लेख हो कि सीमाशुल्क प्राधिकारी और विदेशी मुद्रा के प्राधिकृत व्यापारी आयात लाइसेंस(सों) में विनिर्दिष्ट मुद्रा विनियम वर पर लाइसेंस मूल्य के नाम डालेगा। लाइसेंस पर एक शीर्षक "जापानी येन ऋण सं. आई डी पी-51" होगा। प्रथम और द्वितीय प्रत्यय के लिए लाइसेंस में "एस/जेसी" कोड होगा। एफ. ए. सी. टी. को आयात लाइसेंस भेजते समय एक प्रति वित्त मंत्रालय आर्थिक कार्य विभाग (जापान अनुभाग) को पृष्ठांकित की जानी चाहिए।

1(3) लागत-बीमा-भाड़ा के आधार पर केवल एक ए. सी. टी. के नाम में लाइसेंस जारी किया जा सकता है।

1(4) एफ. ए. सी. टी. की सुविधा पर निर्भर करते हुए एक से अधिक आयात लाइसेंस क्रेडिट के अधीन जारी किए जा सकते हैं। लेकिन, कुल मूल्य येन 2.2000 बिलियन (लागत बीमा भाड़ा) येन से अधिक नहीं होना चाहिए जैसा कि ऊपर पैरा (2) में कहा गया है।

1(5) आयात लाइसेंस की वधता में वृद्धि आयातक द्वारा आवेदन करने पर 12 महीनों की और आगे की अवधि के लिए दी जा सकती है। आगे और वृद्धि करने के लिए/नया आयात लाइसेंस जारी करने के लिए यदि कोई आवेदन हो तो उसे आर्थिक कार्य विभाग (जापान अनुभाग) को भेजा जाना चाहिए।

1(6) क्रेडिट के अधीन वित्तदान किए जाने वाले आयात/आयात लाइसेंस प्राधिकारी द्वारा विधिवत् स्थापित संलग्न माल और सेवाओं की सूची तक प्रतिबंधित है।

I(7) विदेशी मुद्रा के किसी भी परिवर्ण की अनुमति आयात लाइसेंस के प्रति नहीं दी जाएगी। भारतीय अधिकर्ता के कमीशन के प्रति कोई भी भुगतान भारतीय अधिकर्ता को भारतीय रूप में किया जाना चाहिए। लेकिन ऐसे भुगतान लाइसेंस मूल्य के ही भाग होंगे और लाइसेंस पर ही प्रभावित किए जाएंगे।

1(8) पक्के आदेश अनुबंध-1 में उल्लिखित देशों में स्थित विदेशी संभरकों को जहाज पर निःशुल्क लागत और भाड़ा आधार पर दिए जाने चाहिए और वे आयात लाइसेंस जारी होने की तिथि से 4 महीनों की अवधि के भीतर आर्थिक कार्य विभाग (जापान अनुभाग) को भेज दिए जाने चाहिए। बीमा प्रभार का भुगतान भारतीय रूप में भारत में देय होगा "पक्के आदेशों" का अर्थ विदेशी संभरकों को भारतीय लाइसेंसधारी द्वारा दिए गए उन अन्य आदेशों से है जो विदेशी संभरक द्वारा विधिवत् हस्ताक्षरित हों या भारतीय आयातक और विदेशी संभरक द्वारा विधिवत् हस्ताक्षरित त्रय संविदाओं। विदेशी संभरकों के भारतीय अधिकर्ताओं या आवेदन या ऐसे भारतीय अधिकर्ताओं द्वारा पुष्टिकरण आदेश स्वीकार्य नहीं है।

1(9) चार महीनों की अवधि के भीतर ठेकों की इस शर्त का तब तक अनुपालन किया गया नहीं समझा जाएगा जब तक कि ठेके के पूर्ण वस्तावेज आयात लाइसेंस जारी होने की तिथि से चार महीने के भीतर वित्त मंत्रालय, आर्थिक कार्य विभाग (जापान अनुभाग) को मही पहुंच जाते हैं। यदि उपर्युक्त पैरा 1(8) में यथा उल्लिखित पक्के आदेश महीनों के भीतर वैध कारणों से जहां दिए जा सकते हैं तो चार

महीनों के भीतर आवेदन क्यों नहीं दिए जा सकते न कारणों का उल्लेख करने हुए या संसंधारी को आयात लाइसेंस की संबंध लाइसेंस प्राधिकारी को प्रस्तुत कर देना चाहिए। आवेदन देने की अवधि में वृद्धि के लिए ऐसे आवेदनों पर लाइसेंस प्राधिकारियों द्वारा पात्रता के आधार पर विचार किया जाएगा। वे अधिक से अधिक चार महीनों की और अवधि के लिए वृद्धि प्रदान कर सकते हैं। लेकिन यदि वृद्धि इस लाइसेंस के जारी होने की तारीख से 8 महीनों से अधिक के लिए मांगी जाती है तो ऐसे प्रस्ताव निरपवाद रूप से लाइसेंस प्राधिकारियों द्वारा वित्त मंत्रालय, आर्थिक कार्य विभाग (जापान अनुभाग) नार्थ ब्लॉक, न दिल्ली को भेजे जाएंगे जो कि एसी वृद्धि के लिए प्रत्येक मामले की पात्रता के आधार पर विचार करेंगे और अपना निर्णय लाइसेंस प्राधिकारियों की भेजेंगे। जिसकी वे लाइसेंसधारी को प्रेषित करेंगे। लाइसेंसधारी द्वारा लाइसेंस प्राधिकारियों से केवल ऐसी वृद्धि प्रदान करने वाला एक पत्र प्रस्तुत करने पर ही प्राधिकृत व्यापारी और विभागीय पदाधिकारी आयात लाइसेंस के अधीन किए गए संभरण ठेकों में बैंक गारंटी साख पत्र स्थापित करने के लिए प्राधिकार पत्र मुख्य रूप से जमा कराने आदि की स्वीकृति की सुविधाओं की अनुमति देंगे।

1(10) आयात लाइसेंस की समाप्ति से चार महीने के भीतर सभी भुगतान अवश्य पूर्ण कर देने चाहिए। माल के पोतलदान पर अलग अलग भुगतानों की व्यवस्था होनी चाहिए। ठेके में तकद आधार पर अधीन पोतलदान वस्तावेजों के प्रस्तुत करने पर भुगतान की व्यवस्था होनी चाहिए। विदेशी संभरक से भारतीय आयातक को किसी भी किस्म की ऋण सुविधा उपलब्ध करने की अनुमति नहीं दी जाएगी। माल के वितरण की अवधि के लिए ठेके में निम्नलिखित व्यवस्था होनी चाहिए:-

"साख पत्र की प्राप्ति के बाद ----- महीने परन्तु अधिक से अधिक ----- के अन्त तक पूर्ण किया जाना है।"

पोतलदान के लिए आखिरी तिथि निश्चित करने में इस बात का ध्यान रखना चाहिए कि यह तिथि 31-12-1992 के बाद की न हो।

खण्ड-2 संभरण ठेके का समझौता करते समय ध्यान में रखी जाने वाली विशेष बातें:-

2(1) ठेके का जहाज पर्यन्त निःशुल्क लागत और भाड़ा मूल्य (येन में) (येन को भिन्न के बिना) अभिव्यक्त होना चाहिए और इसमें भारतीय अधिकर्ता का कमीशन यदि कोई हो तो वह शामिल नहीं होना चाहिए जो कि भारतीय रूप में चुकाना चाहिए।

भारतीय रूप या किसी अन्य मुद्रा में ठेके का मूल्य किसी भी परिस्थिति में अभिव्यक्त नहीं होना चाहिए। कथ आदेश और संभरक द्वारा पुष्टिकरण आदेश केवल अंग्रेजी में होना चाहिए।

2(2) ऋण की रकम से वित्त पोषित किए जाने वाले सभी माल और स्रोत ऋण के अन्तर्गत अधिप्राप्ति के लिए मार्ग दर्शन बिल्टुओं के अनुसार निम्नलिखित सम्पूरक शर्तों के साथ किए जाएंगे:-

(क) कम से कम 500 मिलियन येन के अनुमानित मूल्य के माल और सेवाओं की अधिप्राप्ति के मामले में:-

(1) यदि पूर्वग्रहर्ता सहित औपचारिक खर्च अन्तर्राष्ट्रीय निविदा से भिन्न अधिप्राप्ति क्रियाविधि अपनाने का प्रस्ताव है तो अधिप्राप्ति की पद्धति के अनुमोदन के लिए ओ. ई. सी. एफ. की आवेदन पत्र प्रस्तुत करके उससे पूर्व अनुमोदन प्राप्त किया जाएगा।

(2) सफल बोलीकार को निर्णय का नोटिस जारी करने से पहले बोली मूल्यांकन रिपोर्ट सहित निर्णय के अनुमोदन के लिए आवेदन पत्र ओ ई सी एफ को प्रस्तुत किया

जाएगा। निर्णय और बोली मूल्यांकन के अनुमोदन के लिए उपर्युक्त आवेदन पत्र के साथ-साथ पूर्वाहर्ता का मूल्यांकन रिपोर्ट, बोलीकारों की दिए गए नोटिस और अनुदेश, बोली प्रपत्र, प्रस्तावित ठेका विशिष्टीकरण और ड्राइंग और बालों से संबंधित अन्य दस्तावेज ओ ई सी एफ की भी पुनरीक्षा के लिए प्रस्तुत किए जाएंगे।

(ख) 500 मिलियन येन से कम अनुमानित मूल्य के माल और सेवाओं की अधिप्राप्ति के मामले में ठेके के निर्णय के लिए ओ ई सी एफ के पूर्वाहर्ता अनुमोदन की इस शर्त पर आवश्यकता नहीं है कि निविदा का खोपे उचित रूप से विभाजित की गई हों। लेकिन यदि ओ ई सी एफ अनुरोध करें तो निविदा मूल्यांकन रिपोर्ट और उनकी पुनरीक्षा के लिए प्रस्तुत की जाएगी।

(ग) उपर (क) (i), (क) (ii) और (ख) में उल्लिखित आवेदनपत्र/वस्तावेज आयातक द्वारा अधिक कार्य विभाग को दो प्रतियों में प्रस्तुत करेगा जो उसके द्वारा ओ ई सी एफ को भेजे जाएंगे।

2(3) विदेशी संभरक को भुगतान, उसके नाम में भारतीय बैंक, टोकियो द्वारा 1987-88 के लिए ओ. ई. सी. एफ. येन क्रेडिट (परियोजना सहायता) सं. आई. पी. 51 के अधीन खोले गए अपरिवर्तनीय साखपत्र के माध्यम से किया जाना चाहिए। जिसका ब्योरा नीचे खण्ड 7 में दिया गया है।

2(4) संभरक की पात्रता—संभरक पात्र स्त्रोत देशों के राष्ट्रिक होने या पात्र स्त्रोत देशों में शामिल किए गए तथा पंजीकृत किए गए पात्र स्त्रोत देशों के राष्ट्रिकों द्वारा शासित वैध व्यक्ति होंगे।

2(5) अपात्र स्त्रोत देशों से अनुमेय आयातः—जिन वस्तुओं में अपात्र स्त्रोत देशों में बनी हुई सामग्री निहित है उसका वित्तियन किया जा सकता है बशर्ते कि निम्नलिखित सूत्र के अनुसार ऐसे उत्पाद प्रति एकक का मूल्य मरबाए आधार पर आयातित भाग का 50 प्रतिशत से कम होः—

$$\frac{\text{आयातित लागत बीमा भाड़ा मूल्य + आयात शुल्क}}{\text{संभरक का जहाज पर नि.शुल्क मूल्य}} \times 100$$

(भारतीय संभरकों के मामले में एकम फैक्टरी मूल्य अपनाया जाएगा)

2(6) सविदा में घोषणा—प्रत्येक सविदा में संभरक द्वारा माल एवं संभरक की पात्रता और संभरक के हस्ताक्षर और सारोख से निम्नलिखित घोषणा जोड़ी जाएगीः—

“मैं अधोहस्ताक्षरी एतद्वारा प्रमाणित करता हूँ कि मेरी संघारित किया जाने वाला माल—(पात्र स्त्रोत देश का नाम) में उत्पादित है।”

“मैं अधोहस्ताक्षरी एतद्वारा प्रागे यह प्रमाणित करता हूँ कि मेरी पूरी जानकारी और विश्वास के अनुसार अपात्र स्त्रोत देशों से आयातित भाग निम्नलिखित सूत्र के अनुसार 50 प्रतिशत से कम हैः—

$$\frac{\text{आयातित लागत बीमा भाड़ा मूल्य + आयात शुल्क}}{\text{संभरक का जहाज पर नि.शुल्क मूल्य}} \times 100$$

(जहां एकम फैक्टरी मूल्य लागू हो)

मे, अधोहस्ताक्षरी, एतद्वारा सत्यापित करता हूँ कि—
(पात्र स्त्रोत देश का नाम) में —
(कम्पनी का नाम) समाधिष्ट और पंजीकृत हो चुकी है और पात्र स्त्रोत देशों के राष्ट्रिकों द्वारा नियंत्रित है।”

खण्ड-3 संभरण ठेकों में समाधिष्ट की जाने वाली शर्तें

3(1) संभरण ठेकों में निम्नलिखित प्रावधान विशेष रूप से समाधिष्ट होने चाहिए।

(क) ठेके की व्यवस्था भारत सरकार और जापान की विदेशी आर्थिक सहयोग निधि (ओ ई सी एफ) के बीच हलदिया पत्तन आधुनिकीकरण परियोजना के लिए येन क्रेडिट सं. आई. पी. 51 (परियोजना सहायता) से संबंधित 10 फरवरी, 1988 को हुए ऋण समझौते के अनुसार होनी चाहिए और यह भारत सरकार और विदेशी आर्थिक सहयोग निधि के अनुमोदन के अधीन होगा।

(ख) संभरक को भुगतान, भारत सरकार और जापानी विदेशी आर्थिक सहयोग निधि (ओ ई सी एफ) के बीच येन क्रेडिट सं. आई. पी. 51 से संबंधित 10 फरवरी, 1988 को हुए ऋण समझौते के अन्तर्गत बैंक आफ इंडिया टोकियो द्वारा जारी किए जाने वाले अपरिवर्तनीय साखपत्र के माध्यम से किए जाएंगे।

(ग) संभरक ऐसी सूचना और वस्तावेजों को प्रस्तुत करने के लिए सहमत होगा जो एक ओर भारत सरकार द्वारा और दूसरी ओर ओ. ई. सी. एफ. द्वारा येन ऋण के अधीन अर्पित हो।

(घ) उपर्युक्त 2(7) में उल्लिखित प्रपत्र में प्रमाणपत्र (तीन प्रतियों में)।

(ङ) यदि किसी मामले में संभरक जापान में स्थित हो तो संभरक संविदा के संबंध में एक धारा होनी चाहिए कि जापानी संभरक भारतीय दूतावास, टोकियो के परामर्श पर पोट परिवहन व्यवस्था करने के लिए सहमत है और इस उद्देश्य के लिए वह भारतीय दूतावास, टोकियो को, शामिल माल की सुदृष्टी के कार्यक्रम से प्रवृत्त कराएगा और पोतलदान से कम से कम 6 सप्ताह पूर्व भारतीय दूतावास को सूचना देगा जिससे कि उचित व्यवस्था हो सके। विशेष मामलों में, जहां भारतीय आयातक दृच्छुक हो, सूचना भी इस अवधि को कम किया जा सकता है। जापानी संभरक को प्रत्येक पोतलदान के पश्चात् आवश्यक ब्योरे देते हुए तार से सूचना भेजने के लिए सहमत होना चाहिए और उसकी एक प्रति भारतीय दूतावास, टोकियो को भेजी जानी चाहिए।

खण्ड-4 ओ ई सी एफ द्वारा ठेके की पुनरीक्षा

4(1) लाइसेंसधारी को पहले आवेदन देने के लिए निर्धारित अवधि के भीतर आयातक और संभरकों दोनों द्वारा विधिवत् हस्ताक्षरित ठेके की चार प्रतियां ओ विदेशी संभरकों द्वारा लिखित में पुष्टि आवेदन के साथ हों या उसकी हर प्रकार से पूर्ण फोटो प्रतियां संगत वैध आयात लाइसेंस की दो फोटो प्रतियों सहित और अनुबन्ध-2 के प्रपत्र में “प्राधिकार पत्र जारी करने के लिए आवेदन” की दो प्रतियां आर्थिक कार्य विभाग की भेजनी चाहिए।

4(2) उपर्युक्त क्रियाविधि ठेकों के उन सभी संशोधनों के लिए भी लागू होगी जिनके कारण ठेकों की विषयवस्तु या उसकी कीमत में प्रासंगिक करना अभिवार्य हो।

4(3) वित्त मंत्रालय (आर्थिक कार्य विभाग) ठेके की एक प्रति के साथ ठेके के निर्णय का नोटिस ओ ई सी एफ की पुनरीक्षा के लिए भेजेगा ठेके के निर्णय के नोटिस और ठेके की एक-एक प्रति आर्थिक कार्य विभाग द्वारा भारतीय दूतावास टोकियो को और आयात लाइसेंस की फोटो कापी और “प्राधिकार पत्र जारी करने के लिए आवेदन” की एक प्रति के साथ सी ए ए एण्ड ए के कार्यालय को भेजी जाएगी।

अण्ड-5 विदेशी संभरकों को भुगतान साखपत्र क्रियाविधि

5(1) वित्त मंत्रालय, आर्थिक कार्य विभाग से ठेके के नियम का नोटिस और ठेके के दस्तावेज प्राप्त होने पर सहायता लेखा तथा लेखा परीक्षा नियंत्रक, बैंक आफ इंडिया की टोकियो शाखा को संबोधित संलग्न अनुबन्ध-3 में दिए गए प्रपत्र में एक प्राधिकार पत्र जारी करेगा जिसमें बैंक आफ इंडिया की टोकियो शाखा सम्बद्ध विदेशी संभरक के नाम में संलग्न अनुबन्ध-4 (आयातों के लिए) के प्रपत्र में या अनुबन्ध-5 (सेवाओं के लिए) के प्रपत्र में एक अपरिवर्तनीय साखपत्र खोलेंगे। प्राधिकार पत्र की प्रतियां ओ ई सी एफ भारतीय दूतावास, टोकियो, भारत में आयातक का बैंक, जापान अनुभाग आर्थिक कार्य विभाग, वित्त मंत्रालय को पृष्ठांकित की जाएगी।

5(2) प्राधिकार पत्र मिलने पर, भारतीय बैंक, टोकियो अनुबन्ध-4 (आयात के लिए लागू होता है) या अनुबन्ध-5 (सेवाओं के लिए लागू होता है) के अनुसार संबंधित विदेशी संभरकों के नाम में अपरिवर्तनीय साखपत्र की स्थापना करेगा और उनकी एक प्रति विदेशी आर्थिक सहयोग विधि (ओ ई सी एफ) भारतीय दूतावास टोकियो में आयातक के बैंक और सहायता लेखा एवं परीक्षा नियंत्रक को भी भेजेगा।

सी. ए. ए. एण्ड ए. से प्राधिकार पत्र के आधार पर साखपत्र खोलने के लिए उपर्युक्त क्रियाविधि संविदा संशोधन या अन्यथा के लिए आवश्यक समझे जाने वाले ऐसे सभी प्राधिकार पत्र/साख पत्रों के संशोधन पर स्वतः लागू होगी।

5(3) साल का पोतमदान करने के बाद विदेशी संभरक अपने बैंकों के माध्यम से साख-पत्र में उल्लिखित वस्तावेज भुगतान के लिए बैंक आफ इंडिया, टोकियो को प्रस्तुत करेगा। यदि वस्तावेज सही पाए गए तो बैंक आफ इंडिया, टोकियो वस्तावेजों में उल्लिखित धनराशि को विदेशी संभरक को उसके बैंकों के माध्यम से रिहा करेगा और उसके बाद आयातों की लागत की धनराशि की प्रमि-पूति विदेशी आर्थिक सहयोग विधि से प्राप्त करेगा।

ओ ई सी एफ ठेके के मूल्य के 10 प्रतिशत (0.1) प्रतिशत के बराबर धनराशि प्राप्त करने पर बचनबद्धता पत्र जारी करेगा। यह धनराशि ओ ई सी एफ द्वारा स्वयं ऋण निधियों में से चुकाई जाएगी। ओ ई सी एफ या सहायता लेखा नियंत्रक, वित्त मंत्रालय से भुगतान की सूचना प्राप्त होने पर, आयातक को बचनबद्धता पत्र के खर्चों की तुल्य धनराशि सरकारी लेखे में जमा करनी होगी। ओ ई सी एफ को भुगतान की तिथि से रुपया जमा करने की तिथि तक (दोनों तिथियां शामिल करके) ब्याज भी प्रचलित दर पर आयातक द्वारा चुकाया जाएगा।

आयातक द्वारा प्रतिपूर्ति क्रियाविधि के अन्तर्गत भी 0.1 प्रतिशत का इसी प्रकार का खर्च चुकाया जाना है।

5(4) साखपत्र खोलने, उसके अधीन लेन-देन करने, विदेशी संभरक के बैंक के प्रभारों सहित यदि कोई हो तो बैंकिंग खर्च संभरक/आयातक द्वारा वहन किए जाएंगे। आयातकों द्वारा आयातों के लागत के भुगतान की तिथि से ओ ई सी एफ द्वारा विदेशी संभरक को आयातों की तिथि तक की अवधि के लिए गणना करके बैंक आफ इंडिया, टोकियो को देय ब्याज प्रभार भारत सरकार के लेखे को प्रभावित किए बिना सामान्य बैंक प्रणाली के माध्यम से भारत में संबद्ध आयातकों के बैंक द्वारा बैंक आफ इंडिया, टोकियो को धन परेषण करके चुकाया जाएगा।

5(5) प्रतिपूर्ति क्रियाविधि:—भारतीय संभरकों से साल और सेवाओं का वितरण के लिए प्रक्रिया ऋण समझौते की प्रतिपूर्ति विधा विधि के अनुसार होगी।

अण्ड-6 रुपया निक्षेप करने के लिए उत्तरदायित्व

6(1) भारतीय बैंक, टोकियो संगत प्राधिकार पत्र के परिशिष्ट में संकेतिक अनुसार आयातक के प्राधिकृत बैंक को परामर्श जहाजरानी वस्तावेज प्रेषित करेगा और बैंक इस बात को सुनिश्चित करेगा। पोतमदान वस्तावेज रिहा होने से पहले भारतीय रिजर्व बैंक, नई दिल्ली या भारतीय स्टेट बैंक, तीस हजारी, दिल्ली में रुपया निक्षेप कर दिया है। विदेशी संभरक को चुकाई गई येन भुगतान की समतुल्य रुपय की धनराशि के बराबर रुपया उन मामलों में जहां देय योग्य, ब्याज के प्रभारों सहित मुख्य अदायगी की राशि सहित संभरक को भुगतान कर दिया है और उस धनराशि पर विदेशी संभरक को बैंक आफ इंडिया, टोकियो द्वारा भुगतान की तिथि से वास्तविक रुपया जमा करने की तिथि तक की अवधि पर पहले 30 दिनों के लिए 12 प्रतिशत प्रति वर्ष की दर से और शेष अवधि के लिए 18 प्रतिशत प्रतिवर्ष की दर से हिसाब लगाकर ब्याज सार्वजनिक सूचना संख्या 31-आई टी सी (पी एन)/83, दिनांक 10-8-83 की शर्तों के अनुसार सरकारी लेखे में जमा कर दिया गया है। यह भी नोट किया जाना चाहिए ब्याज दोनों दिनों अर्थात् जिस दिन विदेशी संभरक को भुगतान किया जाता है और जिस दिन सरकारी लेखे में रुपया जमा किया जाता है, देय है, देखिए सार्वजनिक सूचना सं. 103 आई टी सी (पी एन)/76 दिनांक 12-10-76 और सार्वजनिक सूचना सं. 31-आई टी सी (पी एन)/83, दिनांक 10-8-83 द्वारा संशोधित सार्वजनिक सूचना सं. 74-आई टी सी (पी एन)/74, दिनांक 31-5-74

संभरक को किए जाने वाले भुगतानों की राशि और तारीख को सुनिश्चित करने के लिए आयातक को प्रत्येक से व्यवस्था करनी चाहिए। बैंक आफ इंडिया, टोकियो से आयातक के बैंक द्वारा पोत-परिवहन आदि वस्तावेजों की देरी और विलम्ब से प्राप्त की रुपया निक्षेप पर लगने वाले ब्याज की आंशिक या पूर्ण धनराशि को समाप्त करने का कारण नहीं माना जाता है।

विदेशी संभरक को किए गए येन भुगतान के समतुल्य रुपय की गणना करने के लिए अपनाई जाने वाली विनियम की दर भुगतान की तारीख को लागू विनियम की यह मिश्रित दर होगी जो सार्वजनिक सूचना सं. 109-आई टी सी (पी एन)/74, दिनांक 3-8-74 और सं. 8-आई टी सी (पी एन)/76, दिनांक 17-1-76 में निर्धारित तरीके के अनुसार निश्चित की गई हो जो मुख्य भियांक आयात-निर्यात की सार्वजनिक सूचनाओं के माध्यम से या भारतीय रिजर्व बैंक के मुद्रा विनियम नियंत्रण परिपत्रों के माध्यम से सरकार द्वारा समय-समय पर घोषित की गई हो। इस सम्बन्ध में और ब्याज की दर के सम्बन्ध में भी अब भी कोई परिवर्तन आवश्यक होगा अधिसूचित कर दिया जाएगा। यह सुनिश्चित करने के लिए भारतीय बैंक की जिम्मेदारी होगी कि देय धनराशि आयातकों को आयात वस्तावेज सौंपने से पहले सरकारी खाते में ठीक प्रकार से जमा कर दी गई है। आयातक को भी यह सुनिश्चित कर लेना चाहिए कि देय धनराशि अपने ऋण-खातों से वस्तावेजों को मुद्रांगी लेने से पहले सरकारी खाते में ठीक प्रकार से जमा कर दी गई है। यह सुनिश्चित करने के लिए आयातक की जिम्मेदारी होगी कि देय धनराशि सरकारी खाते में ठीक प्रकार से सुरक्षित जमा कर दी है मले हो अब ये विशेष परिस्थितियों के अन्तर्गत सीमाशुल्क प्राधिकारियों से माल की मुद्रांगी प्राप्त करने है। यदि आयातक सरकार को देय धनराशि के साल की मुद्रांगी लेने से पहले जमा नहीं कर पाता तो मामले के लिए उसे प्राधिकार पत्र देना बन्द कर दिया जाए और मामले की रिपोर्ट मुख्य नियंत्रक, आयात-निर्यात को दी जाए ताकि ऐसे आयातक आगे और आयात लाभसेंस जारी न किए जाएं। जिस लेखाशीर्ष में उपर्युक्त रुपया निक्षेप किया जाएगा वह "के डिपॉजिट्स एण्ड ऐडवांस-843 सिविल डिपॉजिट्स डिपॉजिट्स फार परचेजिज अटल्ला एवाड अंडर क्रेडिट्स परचेजिंग लोन एपीमेंट्स "ब्लोन फ्रीम दि गवर्नमेंट ऑफ जापान 2,000 बिलियन येन क्रेडिट सं. आई डी पी-51 फार काबीन डिबीजन ऑफ पीएच चाहिए।

6(2) ऊपर उल्लिखित धनराशि या मो भारतीय रिजर्व बैंक नई दिल्ली में या स्टेट बैंक ऑफ इंडिया, मोस हजारी, दिल्ली में खानान के ऊपर वाहिनी और कने में कोड सं. 5130000009 का संकेत देने हुए सरकार की साथ में सार्वजनिक सूचना सं. 184-आई टी सी (पी एन)/86, दिनांक 30-8-68 सं. 233-आई टी सी (पी एन)/68 दिनांक 24-10-68, सं. 133-आई टी सी (पी एन)/71, दिनांक 5-10-71, सं. 74 आई टी सी (पी एन)/74, दिनांक 31-5-74 और सं. 103-आई टी सी (पी एन)/76 दिनांक 12-10-76 में यथा निर्धारित तरीके में जमा होना चाहिए।

6(3) भारत सरकार, वित्त मंत्रालय, आर्थिक कार्य विभाग द्वारा एसी मांग किए जाने के बाद सात दिनों के भीतर भारत में सम्बद्ध बैंक को ऊपर निर्धारित तरीके में यह अनिवार्य धनराशि सेवा खर्चों के निम्न भोजेगा जो वित्त मंत्रालय (आर्थिक कार्य विभाग) द्वारा मांगी जाए खानान के विभिन्न कालों को भरने समय आयातकों/उत्प्रे बैंकों को इस बात का सुनिश्चित कर लेना चाहिए कि सार्वजनिक सूचना सं. 133-आई टी सी (पी एन)/71, दिनांक 5-10-1971 के पैरा 2 में निर्धारित सूचना खानान के काया "धन परेपण" और प्राधिकारी (यदि कोई हो) के पूर्योरे में निरपवाद रूप से निदिष्ट किए गए हैं। खजाना खानान में निम्न लिखित व्योरे निरपवाद रूप से प्रस्तुत करने चाहिए :-

- (क) वित्त मंत्रालय के प्राधिकार पत्र को संख्या और दिनांक।
- (ख) नैम मूद्रा की यह धनराशि जिनके संबंध में अपनाई गई परि-यर्तन की दर के साथ निक्षेप किए जाने हैं।
- (ग) विदेशी संभरण को भुगतान करने की तिथि।

उसके पश्चात् सी. ए. ए. एण्ड ए. द्वारा जारी किए गए प्राधिकार पत्र का संदर्भ देने हुए और बीजक तथा पोत परिवहन दस्तावेजों को संलग्न करते हुए खजाना खानान हमया जमा करने का माध्य देने हुए पंजीकृत डाक द्वारा सी. ए. ए. एण्ड ए. को भेजा जाना चाहिए।

टिप्पणी:-भारत में आयातक के बैंक को यह सुनिश्चित करना चाहिए कि पण का निक्षेप भारतीय बैंक टोकियो की अदायगी की सूचना और अपरिचालनीय पोतलदान दस्तावेज की प्राप्ति के 10 दिनों के भीतर निरपवाद रूप से किया जाना चाहिए और यह कि उसके तत्काल बाद सी. ए. ए. एण्ड ए. वित्त मंत्रालय (आर्थिक कार्य विभाग) नई दिल्ली को सूचित कर दिया जाएगा।

6(4) भारत में सम्बद्ध भारतीय बैंक की लाइसेंस की मूद्रा विनियम नियंत्रण प्रति पर रुपया निक्षेपों की धनराशि का पृष्ठोक्त करना चाहिए और अग्रक्षित "एम" प्रपत्र भारतीय रिजर्व बैंक बम्बई को भेजना चाहिए।

खण्ड—7 विधि व्यवस्थाएं

7(1) आयात लाइसेंस के उपयोग करने की रिपोर्ट आयातक का पोतलदान और उसके अधीन किए गए भुगतान और शेष धनराशि के बारे में साक्ष्यपत्र खोजने के बाद एक मासिक रिपोर्ट सहायता लेखा, परीक्षा नियंत्रक, आर्थिक कार्य विभाग, वित्त मंत्रालय, यू. सी. ओ बैंक ब्रिडिंग संभर मार्ग, नई दिल्ली को भेजनी चाहिए।

7(2) संभरकों को विशेष शर्तों के बारे में अधिसूचित करना :- लाइसेंसधारी के आयात लाइसेंस में दिए गए किसी उन विशेष उपबंधों से संभरक को अवगत करा देना चाहिए जो साथ के खाने में संभरक पर प्रभाव डालते हैं।

7(3) विवाद :-यह समझ लेना चाहिए कि लाइसेंसधारी और संभरकों के बीच कोई विवाद उठेगा तो उसके लिए भारत सरकार कोई उत्तरदायित्व नहीं लेगी। भारतीय बैंक टोकियो द्वारा किए गए भुगतान से पहले संभरक द्वारा पूरा की जाने वाली शर्तें अनुबन्ध-2 में "भुगतान की शर्तों" के अंतर्गत अच्छी तरह से स्पष्ट कर लेनी चाहिए। संविदा की शर्तों में विवाद के निपटान से संबंध व्यवस्थाएं शामिल होनी चाहिए।

7(4) अविध्य अनुदेश :-आयात लाइसेंस या उसके संबंध में उठ खड़े होने वाले किसी मामले या सभी मामलों से संबंधित या जापानी प्राधिकारियों के साथ येन फेजिट समझौते (परियोजना सहा-यता) सं. आई. टी. पी. -5 के अधीन सभी आभारों को विदेशी आर्थिक निधि, जापान (ओ. ई. सी. एफ.), के साथ पूर्ण करने के लिए भारत सरकार द्वारा समय-समय पर किए गए निदेशों या आदेशों का लाइसेंसधारी को तुरन्त पालन करना होगा।

7(5) अतिक्रमण या उन्वंचन :-उत्प्रेक्ष्य खण्डों में निर्धारित की गई शर्तों के अतिक्रमण या उन्वंचन करने पर आयात-निर्यात (नियंत्रण) अधिनियम के अधीन उचित कार्यवाही की जाएगी।

7(6) अनुबंधों की सूची

1. अनुबन्ध—1 पात्र स्त्रोत देशों की सूची
2. अनुबन्ध—2 प्राधिकार पत्र जारी करने के लिए अनुबंध
3. अनुबन्ध—3 प्राधिकार पत्र का प्रपत्र
4. अनुबन्ध—4 साक्ष्यपत्र का प्रपत्र (आयातों के लिए लागू)
5. अनुबन्ध—5 साक्ष्यपत्र का प्रपत्र (संभावों के लिए लागू)

अनुबन्ध—1

पात्र स्त्रोत देशों की सूची

क विकासशील देश तथा उनके क्षेत्र

(क—1) विदेश आर्थिक सहायता से भिन्न विकासशील देश

1. अफ्रीका, उत्तरी सहारा
मिश्र
मोरको
तुनीशिया

2. अफ्रीका दक्षिण सहारा

अंगोला
बेनिन
बोत्स्वाना
बुरुंडी
कमरोन
केप वर्डे द्वीप
मध्य अफ्रीका गणतंत्र
जाद
कांगो लोक
लावा, लाओस का गणतंत्र

इक्वेडोरियन ग्युयाना (1)	3 अमेरिका, उत्तरी और केन्द्रीय
इथियोपिया	वेस्ट इंडीज शाखा एन. आई. ई.
जाम्बिया	(क) सह-सम्बन्ध राजस्व (1)
जाना	(ख) आश्रित (2)
गुयाना	
ग्राइवरी कोस्ट	दक्षिणी अमेरिका
ग्रेनाडा	अर्जेन्टीना
नेसोथो	बोनिफिया
लाइबीरिया	बाजाल
मालागासी गणतन्त्र	बिनी
मालावी	कोलम्बिया
माली	फाल्क लैण्ड द्वीप समूह
मारीशस, मारिटीनिया	प्रसम
मुजाम्बिक	गुयाना
नॉरुगर	पराग्वे
पुर्तगाल ग्युयाना	पीरू
रिबूनियम	मूरिशस
रोडेसिया	उरुग्वे
रवाण्डा	
सेंट हेलेना और द्वीप (2)	5. मध्य पूर्वी एशिया
राओ टोमो और प्रिन्सिपल	बहरीन
सेनेगल	इजराइल
सीचमीज	जोर्डन
सीयरे लिओन	लेबनान
सोमालिया	ओमान
सूडान	मिरियाई अरब गणतन्त्र
स्वर्जीलैण्ड	यूनाइटेड अरब एमिरात (3)
टेरो अपगम और डमास	यमन अरब गणतन्त्र
टोंगो	यमन जनवादी का. ई. अ. र. (4)
युगान्डा	
तंजानिया गणतन्त्रीय संघ	6. दक्षिण एशिया
अपरवोल्टा	अफगानिस्तान
जाइरे गणतन्त्र	बंगलादेश
जाम्बिया	भूटान
3. अमेरिका, उत्तरी और केन्द्रीय	बर्मा
बरमूडा	7. दक्षिण पूर्वी एशिया
बारबोडोस	ब्रुनै
बेसीज	हांग कांग
कोस्टा रीका	खमेर गणतन्त्र
क्यूबा	कोरिया गणतन्त्र
डोमिनिकन गणतन्त्र	लेप्स
एल सेल्वाडोर	मकाओ
खाटेसाला	मलेशिया
हैती	फिलिपाइन
होण्डुरस	सिंगापुर
जमैका	ताइवान
मॉन्टेनेग्रो	थाइलैण्ड
मैक्सिको	तिमोर
नीदरलैण्ड एण्टीलीज	बियतनाम गणतन्त्र
निकारागुआ	बियतनाम जनवादी गणतन्त्र
पानामा	
सेंट पियरे और मिकेलोन	
ट्रिनिडाड और टोबैगो	

(1) गह्वे स्मैस गिरा का प्रदेश फर्नांडो पो के द्वीप सहित।

(2) निम्नलिखित द्वीपी गणित :—असेण्शन, ट्रिनिडाड डल एन्तोबिबरान, ग्राइवरी, गफ

(3) मुख्य द्वीप समूह, अरुवा, बोनाइरे, क्यूराकोओ, साह्रा सेन्ड यूनाइटेड सेन्ट मार्टिन (दक्षिण भाग)।

8. योशिनिया

कोक द्वीप समूह

फिजी

गिल्बर्ट और इलाइम द्वीप

फ्रांसिस पोलिनेशिया (5)

माऊ

न्यू कैलेडोनिया

न्यू हेब्रिडिज (न. आर. फ.) नियु.

पैसिफिक द्वीप समूह (संयुक्त राज्य) (6)

पापुवा न्यू गिनी

सोलोमन द्वीप समूह (ब्रा.)

टोगा

वाफिम और कूवुला

पश्चिमी सामोआ

भारत

मालदीव

नेपाथ

पाकिस्तान

श्रीलंका

9. यूरोप

माइप्रस

जिब्राल्टर

ग्रीक

माल्टा

स्पेन

टुर्की

यूरोपवाधिय,

माइ-थामी

इन्डोनेशिया

(ख) ओ. पी. ई. सी. देश

आस्ट्रेलिया

बेनिजियम

कनाडा

डेनमार्क

फिनलैण्ड

फ्रांस

जर्मन गणतंत्र संघ

ग्रीस

आइसलैण्ड

आयरलैण्ड

इटली

जापान

लक्सम्बर्ग

नीदरलैण्ड

नार्वे

स्पेन

स्वीडन

स्विटजरलैण्ड

टर्की

डचलैण्ड

अमेरिका

उपाख्य—2

प्राधिकार पत्र जारी करने के लिए

प्रार्थनापत्र

संख्या

दिनांक

सेवा में

सहायता लेखा तथा लेखा परीक्षा नियंत्रक,

क्रिस् संभालय, प्राधिक कार्य विभाग,

यू. सी. ओ. बैंक बिल्डिंग, प्रथम मंजिल,

पार्लियामेण्ट स्ट्रीट, नई दिल्ली—110001

विषय :—येन क्रेडिट में, आई डी पी ————— (परियोजना
सहायता) 1988 के अन्तर्गत आयात से —————
का आयात

सहायता,

उपर उल्लिखित येन क्रेडिट में आई. डी. पी. —————
(परियोजना सहायता) के अधीन ————— से ————— के
आयात के सम्बन्ध में ————— (बैंक का नाम) —————
जो कि बड़ी होना चाहिए, जो नीचे (2) में
सम्बद्ध समुद्रपार संश्लेष के नाम से माह-पत्र खोलने के लिए दिया
गया है, कि प्राधिकार पत्र जारी करने के लिए हम आपको निम्नलिखित
न्योत्र प्रस्तुत करते हैं :—

(क) भारतीय आयात का नाम और पता।

(ख) आयात लाइसेंस की संख्या, विभाक और मुख्य और वह
नारीख जिस तक वैध है।

- (1) मुख्य द्वीप एन्टिगुआ, बोभिनिका, ग्रेनेडा, सेन्ट किट्स (सेंट
क्रिस्टोको) नेविस-अंगुइला, सेंट लूसिया और सेन्ट विसेन्ट
- (2) येन आइलैण्ड, मोल्तेरत, समान तुर्की और फाइकोम और
ब्रिटिश बरजिन द्वीप समूह।
- (3) अजमन, बुवई, कजाहरत, राम अल खेमाह मज्जाह और
उम्ल अल क्लेबन।
- (4) अयन और विभिन्न सलतनत और जमीरत सहित।
- (5) सोमायटी आई लैण्डस समूह (नाहिनी सहित) को शामिल
करते हुए आस्ट्रल द्वीप समूह, दुधामोट, जाम्बियर ग्रुप और
मागेसम द्वीप समूह।
- (6) पैसिफिक द्वीप का ट्रस्ट प्रदेश, कारोलीन द्वीप, मार्शल द्वीप
समूह और मैरिना द्वीप समूह (गाभ को छोड़कर)

(क 2) ओ. पी. ई. सी. के सम्बन्ध या सहायोगी देश

अल्जीरिया

बोशिनिया

नीबियाई अरब गणतंत्र

ग्रेकोत

नाइजीरिया

इक्वेडोर

जेजुअल

ईरान

ईराक

कतार

कतार

मऊरी अरब

(ग) प्राप्ति के तरीके—यथा नष्ट होकर कप या औषधि-कारिक खुले अन्तर्राष्ट्रीय निविदा पर प्राधारित है। इसके मामले में यदि कोई कारण हो तो कारण सहित यह संबंधित होना चाहिए कि क्या संविदा का निर्णय उपयुक्त न्यूनतम तकनीकी प्रस्ताव के आधार पर किया गया है।

(घ) माल का संक्षिप्त विवरण।

(ङ) माल का उद्गम देश।

(च) यदि कोई हो तो पात्र में इतर स्रोत देशों का आयातित संगठनों का प्रतिपात।

(छ) संविदा का कुल जहाज पर निःशुल्क/लागत और भाड़ा मूल्य (येन में)।

(ज) यदि कोई हो तो भारतीय एजेंट के कमीशन की धनराशि (येन में)।

(झ) वास्तविक जहाज पर निःशुल्क/लागत और भाड़ा (येन में) जिसके लिए प्राधिकार पत्र मांगा गया है।

(ञ) समुद्रपार के संभरकों के साथ की गई संविदा की संख्या एवं विनांक।

(ट) विदेशी संभरक का नाम, पता और राष्ट्रीयता।

(ठ) बने भुगतान शर्तों और संभावित विधियां जिनको संविदा अन्तर्गत भुगतान देय होंगे।

(ड) सुपुर्गों को पूर्ण करने की प्रत्याशित तिथि।

(ढ) बैंक आफ इण्डिया, टोकियो को भुगतान करते समय प्रस्तुत किए जाने वाले दस्तावेज (प्रत्येक सेट की संख्या और उनका निपटान दिखाते हुए)।

(ण) पोतलदान अनुदेश (वाहनान्तरण/पार्ट-शिपमेंट को अनुमति दी गई है या नहीं) निविष्ट कीजिए।

(त) भारत में आयातक के बैंक का नाम और पता।

(थ) क्या उसी लाइसेंस के अन्तर्गत संविदा (संविदाएं) कर दी गई हैं और जापानी प्राधिकारियों को अधिसूचित कर दिया गया है, यदि हां तो ऐसी प्रत्येक संविदा की संख्या, दिनांक और मूल्य और विन मंत्रालय का वह संबंध जिसके अन्तर्गत ओ. ई. सी. एफ. को इसे अधिसूचित किया गया है।

(द) क्या साख-पत्र के संचालन और रख-रखाव के लिए बैंक आफ इंडिया, टोकियो को देय बैंक वर्ष आयातकों या संभरकों द्वारा वहन किए जाने हैं।

(ध) आयातक द्वारा अवनवृद्धता :—

“हम एतद्वारा सरकार द्वारा निर्धारित तरीके से और दर से विदेशी संभरक को किए गए भुगतान के सम्बन्ध रूपरेखा को पूरा और सही जमा करने का वचन देते हैं। प्रत्येक निक्षेप मान (आयातित सामग्री) की गुणवत्ता सीपे से पूर्व तत्काल ही धनराशियों जमा कराई जाएगी। विदेशी राष्ट्रीयता वालों की सेवाओं के लिए भुगतानों के मामले में दिए गए ज्यों ही विदेशी संभरकों के सम्बद्ध बीजक हमारे द्वारा अनुमोदित कर दिए जाएं और संभरकों को भुगतान कर दिया जाए या यों ही धनराशियां जमा करा दी जाएं।”

उपाक्षेत्र— 3

(प्राधिकार पत्र का प्रारूप)

सं.

भारत सरकार

वित्त मंत्रालय

प्राधिकार कार्य विभाग

नई दिल्ली, दिनांक

सेवा में

बैंक आफ इण्डिया

टोकियो शाखा,

टोकियो (जापान)।

विषय :—येन क्रेडिट (परियोजना सहायता) ऋण करार सं. आर. डी. पी. ————— के अधीन आयात साख पत्र खोलने के लिए प्राधिकार पत्र जारी करना।

प्रिय महोदय,

आपके बैंक के साथ विनांक ————— को किए गए समझौते की शर्तों के अनुसार आपको एतद्वारा यथा संलग्न द्वाारे के अनुसार सर्वश्री ————— के नाम में ————— येन धनराशि के लिए अग्रिमर्तनीय साखपत्र खोलने के लिए प्राधिकृत किया जाता है।

2. आपके बैंक द्वारा खोले गए प्रत्येक साखपत्र की प्रति आयातक के बैंक, ओ. ई. सी. एफ. भारतीय दूतावास, टोकियो और हमें पृष्ठांकित की जाए।

3. साखपत्र की शर्तों के अनुसार प्रारम्भ में संभरकों को भुगतान आपकी निधि से किया जाएगा। भुगतान के साथ ओ. ई. सी. एफ. को आवश्यक दस्तावेज भेज कर दिए गए भुगतान की प्रतिपूर्ति का दावा तत्काल करना चाहिए।

4. विदेशी संभरक को अदायगी करते समय आपके द्वारा ————— (आयातक के बैंक के नाम व पता) मूल पोतलदान दस्तावेज (विनिमय), अतिरिक्त पूर्ण दस्तावेजों के सेट के साथ तथा संभरक को दी गई अदायगी का नामे डालने की सूचना तत्काल, अदायगी यदि कोई की गई हो, तो उसकी प्रति भेजी जाए।

5. संभरक को आपके द्वारा किए गए भुगतान की तिथि से ओ. ई. सी. एफ. द्वारा आपको उगकी प्रतिपूर्ति की तिथि तक के बीच के समय के लिए आपको चुकाए जाने योग्य ध्यान प्रभार भारत सरकार के लेखे पर प्रभाव डाले बिना सामान्य बैंकिंग स्रोतों के माध्यम से भारत में संबद्ध आयातक के बैंक के साथ आपके द्वारा निर्णीत किए जाएंगे। बैंकों के अन्य खर्च जिसमें साखपत्र खोलने, रखरखाव करने और साखपत्रों को आपरेशन करने और सौदा संबंधी दस्तावेजों के संचालन से संबंधित और यदि कोई हो तो विदेशी संभरकों के बैंकों के खर्च भी विदेशी संभरक/आयातक का ही देने पड़ेंगे और इसलिए आयातक द्वारा उनका भुगतान नहीं किया जाएगा और इसलिए उन्हें सीधे ही आयातक या संभरक से प्राप्त किया जाए। इन प्रकार ऐसे भुगतानों की प्रतिपूर्ति का दावा ओ. ई. सी. एफ. से नहीं किया जा सकता है।

6. जैसे ही आपके द्वारा कोई भुगतान किया जाता है और उसकी प्रतिपूर्ति आपको कर दी जाती है तो उगकी सूचना निर्धारित पत्र में इस मंत्रालय को भेज दी जानी चाहिए।

7 यह प्राधिकार पत्र मन्त्रालय संभरकों के नाम में साक्ष्य पत्र खोलने के लिए है। साक्ष्यपत्र के बाद में किए जाने वाले संशोधन या इस प्राधिकार के मद्दे भविष्य में साक्ष्यपत्र इस मन्त्रालय से विशेष प्राधिकार प्राप्त किए बिना वैध नहीं होंगे।

8. यह प्राधिकार पत्र ----- तक वैध होगा।

9. रूपया इस कठार के संबंध में सभी प्रकार के पत्रव्यवहार के लिए इन सब के अनुसार जारी की गई संज्ञा का उल्लेख करें।

भवदीय,

(लेखा अधिकारी)

प्रति निम्नलिखित को प्रेषित :—

1. आयातक-----को उनके पत्र सं.-----
दिनांक के-----के संदर्भ में।

उनसे अनुरोध है कि वे बैंकों से विनियम वस्तावेजों की डिलीवरी लेने से पूर्व निर्धारित दर पर और तरीके से अपने बैंकों के माध्यम से रूपया निर्यात प्राप्ति जमा कराने का प्रबंध करें। यदि प्रपवाह स्वरूप परिस्थितियों के कारण साल की डिलीवरी सीधे ही सीमाशुल्क और पत्तन प्राधिकारियों से मूल पोतलदान वस्तावेज भेजे बिना ही प्राप्त कर ली जाती है तो डिलीवरी लेने से पूर्व ही निर्यात किए जाने चाहिए। विदेशी राशियों द्वारा दी गई सेवाओं के लिए भुगतान के मामले में जैसे ही सम्बद्ध बीजक भुगतान द्वारा अनुमोदित हो जाएं, निर्यात कर दिए जाएं। निर्यात जल्दी ही और ठीक से न करने पर लाइसेंस को शर्तों में उल्लिखित आवश्यक कार्यवाई की जा सकती है।

2. (1) आयातक के बैंक-----यह आयात लाइसेंस संख्या-----दिनांक-----के सत्यर्थ में है। यह प्राधिकार पत्र येन क्रेडिट के अनुरूप प्रभावों आयात लाइसेंस शर्तों के बारे में जारी किया गया आयात/विदेशी भुगतान करते समय उचित कार्यवाई के लिए लाइसेंसिंग शर्तों तथा सम्बन्धित सार्वजनिक सूचना/आदेश प्राप्ति को देखे।

2(2) उनसे निवेदन किया जाता है कि बैंक आफ इंडिया, टोकियो, जापान से वस्तावेज प्राप्त करने पर विदेशी संभरक को येन भुगतान के बराबर रुपये जमा करने की व्यवस्था करें। संभरकों की चुकाई गई धनराशि के अनुसार रुपये की गणना सार्वजनिक सूचना सं. 8—आई. टी. सी. (पी. एन.)/76 दिनांक 17-1-76 या अन्य ऐसी ही सार्वजनिक सूचना जो समय-समय पर जारी की जाए के अनुसार विदेशी संभरकों को भुगतान करने की तिथि को यथा प्रचलित परिवर्तन की निश्चित दर पर की जाएगी। प्रथम 30 दिनों के लिए 12% अधिक दर से और इससे अधिक अवधि के लिए 18% अधिक दर से बाज जो कि संभरक को भुगतान की तारीख बैंक आफ इंडिया को प्रतिपूर्ति की तारीख और जिस तारीख को समतुल्य रूपया भारत सरकार के लेखों में जमा किया जाता है उन दो अवधियों के बीच की अवधि के लिए गिना गया है उसे भी सार्वजनिक सूचना सं. 31—आई. टी. सी. (पी. एन.)/83 दिनांक 2512 GI/88

10-8-83 के अनुसार भारत सरकार के लेखों में जमा कराना अपेक्षित है। ध्यान देने की बातें के लिए देय है अर्थात् वह तारीख जिसको विदेशी संभरक को भुगतान किया जाता है और यह भी तारीख जिसको भारत सरकार के लेखों में रूपया जमा कराया जाता है। (जब भी इस दर में परिवर्तन किया जाएगा उसे सूचित कर दिया जाएगा)। यह सुनिश्चित कर लेना चाहिए कि आयातक को सीमाशुल्क निकासी के लिए आयात वस्तावेजों का मूल सेट दिये जाने से पूर्व यह धनराशि जमा की जानी है।

ये धनराशियां या तो भारतीय रिजर्व बैंक, नई दिल्ली या भारतीय स्टेट बैंक, तीस हजारी में चालान के सहित बैंक ऑफ इंडिया सं. 5130000009 दर्शाते हुए जमा करनी चाहिए। इस संबंध में उनका ध्यान सार्वजनिक सूचना सं. 184—आई. टी. सी. (पी. एन.)/68, दिनांक 30-8-68, 233—आई. टी. सी. (पी. एन.)/68 दिनांक 24-10-1968, 132—आई. टी. सी. (पी. एन.)/71, दिनांक 5-10-1971, सं. 74—आई. टी. सी. (पी. एन.)/74, दिनांक 31-5-1974, सं. 103 आई. टी. सी. (पी. एन.)/76 दिनांक 12-10-1976 में दिए गए प्रावधानों की ओर दिलाया जाता है। यह लेखा शीर्ष जिनमें रूपया जमा कराना है वे "के डिपॉजिट एण्ड एडवांस-843—मिनिम डिपॉजिट-डिपॉजिट्स फार परचेजिंग एटसेट्स अंडर परचेजिंग क्रेडिट मोन एप्रोमिट्स" लोन फार द गवर्नमेंट आफ जापान—विलियम येन क्रेडिट (परियोजना सहायता) सं. आई. टी. सी. फार है।

जिन मामलों में तब रूपया रिजर्व बैंक आफ इंडिया, नई दिल्ली या स्टेट बैंक आफ इंडिया, तीस हजारी में सार्वजनिक सूचना सं. 132—आई. टी. सी. (पी. एन.)/71, दिनांक 5-10-1971 के अनुसार नकद जमा किया जाता है, उनके चालान की मूल रूप में एक प्रतिलिपि बैंक आफ इंडिया, टोकियो शाखा से प्राप्त सूचना टिप्पणी का पूर्ण विवरण देते हुए अग्रेशन पत्र सहित उनके द्वारा निम्नलिखित पते पर भेजी जाएगी :—

सहायता लेखा तथा लेखा परीक्षा नियंत्रक,
वित्त मंत्रालय (आर्थिक कार्य विभाग),
पहली मंजिल, यू. सी. ओ. बैंक बिल्डिंग,
संसद मार्ग, नई दिल्ली—110001

जिन मामलों में तुल्य रूपया ऊपर संकेतिक सार्वजनिक सूचना दिनांक 24-10-68 में यथा उल्लिखित शर्तों के द्वारा प्रेषित करना है उसकी सूचनाएं उपर्युक्त पते पर भेजी जानी चाहिए। सभी मामलों में, जमा किए गए तुल्य रुपये का पूरा न्यौरा इस विभाग को भेजना चाहिए।

संभरक को भुगतान करने की तिथि और ओ. ई. टी. एक. द्वारा बैंक आफ इंडिया, टोकियो को उसकी अध्यापनी की तिथि के बीच की अवधि के लिए बैंक सूखों के माध्यम से भारत सरकार के लेखों पर प्रभाव डाले बिना बैंक आफ इंडिया, टोकियो के साथ निमित्त किए जाएंगे।

3 निदेशक, ऋण विभाग—2 समुद्रपार आर्थिक गृहयोग निधि टाकावासी ग्रीड बिल्डिंग, 4—1 ओहाट भवन—1 कोम, वियोटा कू टोकियो 100 जापान।

4 भारतीय वृत्तवास्त, टोकियो।

5. अवर सचिव, जापान अनुभाग, वित्त मंत्रालय, आर्थिक कार्य विभाग, नई दिल्ली।

(लेखा अधिकारी)

उपाबन्ध-4

प्रपत्र ओ.ई.सी.एफ., एल. सी-1

अपरिवर्तनीय साखपत्र

(माल के लिए लागू)

दिनांक :

सेवा में

.....यह साखपत्र (ऋणी) और विदेशी
आधिक सहयोग निधि के बीच हुए ऋण करार सं. दिनांक.....
के अनुसरण में जारी किया गया है।

महोदय,

हम आपको सूचित करते हैं कि हमने आपके नाम में हमने निकाले जाने वाले बीजक के पूरे मूल्य के लिए ड्राफ्टों द्वारा उपलब्ध रकम या रकमों के लिए अपरिवर्तनीय साख पत्र सं..... खोल दिया है जो..... (अर्थात् येन) की कुल धनराशि से अधिक नहीं हैं। इसे निम्नलिखित दस्तावेजों के साथ भेजा जाना है :—

हस्ताक्षरित वाणिज्यिक बीजक समुद्री पोतलवान बिल जिनमें दिए गए आदेशों का पूरा सेट ही ब्लैंक पृष्ठांकित एवं निहित (प्रीट) एवं "नोटिफाई" अंकित किए हुए अन्य दस्तावेज। प्रमाणित पोतलवान (माल के सदान का संक्षिप्त विवरण) संविधा सं..... (यदि कोई हो) के संवध में..... से..... आधिक पोतलवान स्वीकृत है। बाहुमांतरण स्वीकृत है। सदान बिल..... के साथ की तिथि का नहीं होना चाहिए। ड्राफ्ट..... तक बातचीत के लिए आवश्यक प्रस्तुत किए जाने चाहिए। इस ऋण के अंतर्गत सभी ड्राफ्ट तथा दस्तावेजों पर "अपरिवर्तनीय साखपत्र सं..... दिनांक..... के अंतर्गत निकलबाया गया और आयात संवध सं..... (संख्याएं यदि कोई हो) अंकित होना चाहिए।"

यह क्रेडिट हस्तांतरणीय नहीं है।

हम एतद्द्वारा बचन देते हैं कि इस ऋण और इसकी शर्तों के अंतर्गत जारी किए गए और इसकी शर्तों का अनुपालन करके जारी किए गए सभी ड्राफ्ट प्रस्तुत करने पर और शर्तों को दस्तावेजों की सुपुर्दगी पर बिधिवत स्वीकार किए जाएंगे।

जब तक अन्यथा रूप से विस्तारपूर्वक न उल्लेख किया जाए यह क्रेडिट "यूनिफार्म कस्टमस एण्ड प्रेक्टीस फार ड्राफ्टबैटरी क्रेडिट्स (1974 रिबीजम) इंटरनेशनल बैम्बर आफ कामर्स कोचोर सं. 290" के अधीन है। लेन-देन करने वाले बैंक के लिए विशेष अनुदेश।

1. उपर्युक्त ऋण समझौते के अंतर्गत जारी किए गए बचन पत्र की व्यवस्थाओं के अनुसार विदेशी आधिक सहयोग निधि में हमारे भुगतान के लिए प्रतिपूर्ति प्राप्त करने के साथ हम बचन देते हैं कि हम लेन-देन वाले बैंक द्वारा जारी किए गए अनुदेशों के अनुसार ड्राफ्टों की धनराशि को लौटा देंगे।

2. लेन-देन करने वाले बैंक को यह बताते हुए ड्राफ्टों और दस्तावेजों के एक पूरे सेट के साथ एक प्रमाणपत्र अवश्य भेजना चाहिए कि शेष दस्तावेजों के सीधे ही हवाई डाक द्वारा..... को भेज दिए गए हैं।

3. इस क्रेडिट के अंतर्गत बैंक के सभी खर्च आयातक/संभरक के लेखे के लिए है।

. भवदीय,

(वाणिज्यिक बैंक)

द्वारा

(प्राधिकृत हस्ताक्षर)

भुगतान शर्तें

यह भुगतान हमारी साखपत्र सं..... का अभिलेख संग्रहीत है।

1. प्रारंभिक भुगतान

धनराशि..... येन जो कि कुल संविधा मूल्य के..... प्रतिशत है

अपेक्षित दस्तावेज :

प्रस्तुत करने की अंतिम तिथि :

2. मध्यवर्ती भुगतान (यदि कोई हो)

धनराशि..... येन जो कि कुल संविधा मूल्य का..... प्रतिशत है।

अपेक्षित दस्तावेज :

प्रस्तुत करने की अंतिम तिथि :

3. पोतलवान दस्तावेजों के मुद्दे भुगतान

धनराशि..... येन जो कि कुल संविधा मूल्य का..... प्रतिशत है।

टिप्पणी :—पोतलवान दस्तावेजों के मुद्दे पूर्ण भुगतान के मामले में इसे संलग्न दस्तावेजों की आवश्यकता नहीं है।

उपाबन्ध-5

(प्रपत्र ओ.ई.सी. एफ.-एल सी-2)

(अपरिवर्तनीय साख-पत्र)

(सेवाओं के लिए लागू)

दिनांक :

सेवा में

.....यह साखपत्र (ऋणी) और विदेशी आधिक सहयोग निधि के बीच हुए ऋण करार सं..... दिनांक के अनुसरण में (संभरक का नाम ब पता) जारी किया गया है। प्रिय महोदय,

हम आपको सूचित करते हैं कि हमारे नाम में निकालने के लिए पूर्ण व्यौरें मूल्य के लिए आभकारी ड्राफ्ट एवं साइट द्वारा उपलब्ध रकम या रकमों के लिए आपके नाम में हमने अपरिवर्तनीय साखपत्र सं..... खोल दिया है जो येन..... (येन.....) की कुल धनराशि से अधिक नहीं है।

इसमें संलग्न भुगतान अनुसूची के अनुसार अपेक्षित (परियोजना के संबंध में ठेका सं.) से संबंधित वस्तावेजों को नयी करना है। सीमा तय करने के लिए ड्राफ्ट से पहले प्रस्तुत किए जाने चाहिए।

सभी ड्राफ्ट और वस्तावेजों पर अपरिवर्तनीय क्रेडिट सं. के अन्तर्गत ड्राफ्ट लिखा होना चाहिए।

यह क्रेडिट हस्ताक्षरणीय नहीं है।

हम एतद्वारा वचन देते हैं कि इस क्रेडिट के अंतर्गत इसकी शर्तों का अनुपालन करके भुनाये गये सभी ड्राफ्ट प्रस्तुत करने पर और अपेक्षितों को वस्तावेजों की सुपुर्गों पर बिधिवत् स्वीकार किये जायेंगे।

जब तक अभ्यया रूप से बिस्तारपूर्वक न बताया जाये, यह क्रेडिट "भूतिकाई कस्टम्स एण्ड ट्रेडिंस फार डाक्यूमेंटरी क्रेडिट्स (1974 रिवीजन) इंटरनेशनल चैम्बर आफ कामर्स कोचर नं. 920" के अधीन है। सीमा करने वाले बैंक को विशेष अनुदेश।

1. इसमें संलग्न प्रपत्र के अनुसार (ऋणी और इसके मनोनीत अधिकारी) द्वारा जारी किये गये निष्पादन के मूल विवरण की प्राप्ति के पश्चात् इस क्रेडिट के अन्तर्गत भुगतान इसमें संलग्न शीट में निर्धारित भुगतान अनुसूची के अनुसार किये जाने चाहिए। प्रारम्भिक भुगतान के मामले में उपर्युक्त निष्पादन के विवरण के बजाये लाभकारी विवरण को आवश्यकता है।
2. ऊपर उल्लिखित ऋण समझौते के अधीन जारी किये गये वचनबद्धता पत्र के उपबन्धों के अनुसार विदेशी आर्थिक सहयोग निधि से अपने भुगतान के लिए प्रतिपूर्ति प्राप्त करने के बावजूद हम ड्राफ्टों की धनराशि का मोल-मोल करने वाले बैंक द्वारा जारी किए गए अनुदेशों के अनुसार प्रेषित करने का वचन देते हैं।
3. उपर्युक्त मव 1 में यथा उल्लिखित वस्तावेजों की एक प्रति और मसीवे हमें उसकी प्राप्ति के तुरन्त बाव ही भेजी जाएंगे।
4. इस साख्यपत्र के अन्तर्गत बैंक के सभी वर्षे आयतकी/संभरकों के लेखे के लिए है।

भवदीय,

वाणिज्यिक बैंक

द्वारा

(प्राधिकृत हस्ताक्षर)

भुगतान अनुसूची

यह भुगतान अनुसूची हमारे साख्यपत्र सं. का एक अभिन्न अंग है।

1. प्रारम्भिक भुगतान

धनराशि येन

कुल संविदा मूल्य का प्रतिशत है।

अपेक्षित वस्तावेज : लाभकारी का विवरण

अंतिम भुगतान तिथि :

2. भुगतान बृद्धि।

सम्पूर्ण योग : धनराशि येन

कुल संविदा मूल्य का प्रतिशत

निम्न प्रकार से भुगतान किया जाता है :-

वेध धनराशि अंतिम भुगतान तिथि

पहली किस्त, येन

दूसरी किस्त येन

अपेक्षित वस्तावेज : (ऋणी यथा उसके मनोनीत अधिकारी) द्वारा जारी किए गए निष्पादन के विवरण की एक प्रति जिसका एक प्रपत्र संलग्न है।

निष्पादन का विवरण

दिनांक

संदर्भ

सेवा में

(संभरक का नाम और पता)

संदर्भ :- ऋण करार सं. के अन्तर्गत के नाम के परियोजना से संबंधित के लिए द्वारा जारी किए गए साख्यपत्र की सं. दिनांक

मैं अवोहस्ताक्षरी, प्रतिनिधि (ऋण) एतद्वारा और के बीच समझौता सं. दिनांक में निहित भुगतान की शर्तों के अनुसार समुद्र पार आर्थिक सहायता निधि द्वारा को धनराशि (..... येन केवय) प्राप्त करने के लिए एक निष्पादन विवरण जारी करता हूँ।

(ऋण)

द्वारा

(प्राधिकृत हस्ताक्षर)

विशेष अनुदेश :-

वास्तविक निष्पादन का विवरण इसमें संलग्न पत्र में दिया जा रहा।

MINISTRY OF COMMERCE

IMPORT TRADE CONTROL

PUBLIC NOTICE NO. 58 ITC (PN)/88-91

New Delhi, the 4th October, 1988

SUBJECT : Licensing conditions in respect of import of equipment and services under the Yen Credit of Yen 2,000 Billion for installation of Additional in Plant Power Generation facility (12 MW Steam Turbine Generator at Cochin division of FACT).

F. No. IPC/23(46)/88-91.—The terms and conditions governing import of equipment/services under the Yen Credit of Yen 2,000 Billion for installation of additional in plant power generation facility (12 MW Steam turbine generator) at Cochin Division of Fertilizers and Chemicals Travancore Limited (FACT) is given in Appendix to this Public Notice are notified for information.

R. L. MISRA, Chief Controller of Imports and Exports

APPENDIX TO THE MINISTRY OF COMMERCE PUBLIC NOTICE NO. 58-ITC(PN)/88-91, dated 4-10-1988

LICENSING CONDITIONS IN RESPECT OF IMPORT OF EQUIPMENT AND SERVICES UNDER THE YEN CREDIT OF YEN 2,000 BILLION FOR INSTALLATION OF ADDITIONAL IN PLANT POWER GENERATION FACILITY (12 MW STEAM TURBINE GENERATOR) AT COCHIN DIVISION OF FACT

Section I—General Conditions.

I (i) The Yen Credit of Yen 2,000 billion extended by the Overseas Economic Cooperation Fund of Japan (OECF) for financing the import requirements of the Cochin Divisions of FACT is united in favour of Japan and developing countries including India and all member countries of OECF. Accordingly the goods and services to be procured under this credit can be procured from Japan and all countries (including India) enumerated in the list at Annexure-I which will be eligible source countries under the credit.

I (ii) Import Licence(s) under the Credit can be issued only for such items and for such value as have been specifically cleared by the DGTD/CG Committee. The value of import Licence(s) issued under this credit should not exceed yen 2,000 billion (CIF).

The rupee value of the import licence shall be determined with reference to the Exchange rate notified by the Department of Revenue (Customs) and prevailing on the date of issue of the import Licence and indicated in body of the import Licence(s) as per para 2 of the Public Notice No. 78-ITC(PN)/74 dated the 6th June, 1974 issued by CCI&E, which also enjoins that the Customs

Authorities and the authorised dealers in foreign exchange will make debt to the value of the licence(s) at the exchange rate specified on the import licence(s) the licence will bear the superscription "Japanese Yen Credit No. 10-P, 51.. The first and second suffix to the licence code will be "SJC". This will also be repeated in the letter from CCI&E forwarding the import licence to FACT a copy of which should be endorsed to the Ministry of Finance, Department of Economic Affairs, (Japan Section).

I (iii) Import Licence(s) can be issued only in favour of FACT on CIF basis.

I (iv) Depending on the convenience of importer more than one import licence may be issued under this credit, but the total value must not exceed yen 2,200 billion (CIF) as specified at (ii) above.

I (v) The extension of the validity of the import Licence may on application by importer, be granted upto a further period of 12 months. Any request for further extension/issue of a fresh import licence may be referred to the Department of Economic Affairs (Japan Section).

I (vi) Imports to be financed under the Credit are restricted to the list of goods and services attached to the import licence duly attested by the licensing authorities.

I (vii) No remittance of foreign exchange will be permitted against the import licence. Any payment towards Indian Agent's commission should be made in Indian Rupees to the agents in India. Such payments, however, will form part of the licence value and will, therefore, be charged to the licence.

I (viii) Firm order must be placed on FOB|C&F basis on the overseas supplier located in the countries mentioned in Annexure-I and sent to the Department of Economic Affairs (Japan Section) within 4 months from the date of issue of the import licence. Insurance charges will be payable in India in Indian Rupees. "Firms Order" means purchase orders placed by the Indian licensee on the overseas supplier duly signed by the latter or purchase contract duly signed by both the Indian Importer and the overseas supplier. Orders on Indian agents of overseas suppliers and/or order confirmation of such Indian Agents are not acceptable.

I (ix) This condition of the placement of contracts within 4 months period will be treated as not having been complied with unless complete contract documents reach the Ministry of Finance, Department of Economic Affairs (Japan Section) within four months from the date of issue of the import licence. If firm orders as explained in para I(viii) above cannot be placed within four months for valid reasons, the licensee should submit the import licence to the concerned licensing authorities giving reasons why ordering could not be completed within four months. Such requests for extension in the ordering period will be considered on merit by the licensing authorities who may grant extension upto a further maximum period of 4 months. If, however, extension is sought beyond 8 months from the date of issue of the import licence such proposals will invariably be referred

by the licensing authorities to the Department of Economic Affairs (Japan Section), Ministry of Finance, North Block, New Delhi, who will consider such extension on the merits of each case and communicate their decision to the licensing authorities for communication to the licensee. Only on production by the licensee of a letter from the licensing authorities sanctioning such extension will the authorised dealers and departmental authorities permit the facility of letter of authority for the establishment of letter of credit acceptance of deposits of the rupee equivalent, etc. in respect of supply contracts entered into under the import licence.

I (x) All payments must be completed within 4 months from the expiry of the import licence. Individual payments must be arranged upon shipment of goods. The contract should provide for payment on cash basis i.e. on presentation of shipping documents. No credit facility of any kind will be permitted to be availed of by the Indian importer from the Overseas supplier. The contract should provide for the period of delivery of goods as followed.

"..... Months after the receipt of Letter of Credit but to be completed latest by the end of"

In fixing the terminal date for shipment it should be noted that this date should not be beyond 31-12-1992.

Section II—Special points to be kept in view while negotiating a supply contract.

II (i) The FOB/CIF value of the contract should be expressed in Yen (Fraction of Yen should be omitted) and should exclude Indian Agent's commission, if any, which should be paid in Indian rupees.

In no circumstances the contract value should be expressed in Indian rupees or in any other currency. The purchase order and the supplier's order confirmation should be English only.

II (ii) Procurement of all goods and services to be financed out of the proceeds of the loan shall be made in accordance with the guidelines for procurement under the loan with the following supplemental stipulations :—

(a) In case of procurement of goods and services of value estimated to be not less than 500 million Yen.

(i) Prior approval of OECF shall be obtained if it is proposed to adopt procurement procedure other than the Open International Tendering with prequalification, submitting to OECF an application for approval of procurement method.

(ii) Prior to issuing a notice of award to successful bidder, the application for approval of award with bid evaluation report shall be submitted to OECF for approval. Alongwith the above application for

approval of award and bid evaluation, the evaluation report of pre-qualification and drawings and other documents related to holding will also be submitted to OFCE for its review.

(b) In case of procurement of goods and services of value estimated to be less than yen 500 million prior approval of OECF is not required for award of contract on the condition that tenders lots are divided reasonably. However, if OECF requests, the tender evaluation reports etc. will be submitted to OECF for its review.

(c) The application/documents mentioned in (a) (i), (a) (ii) and (b) above will be submitted by the importer to Department of E.A. in duplicate, for submission to OECF.

II. (iii) The payment to the overseas supplier should be arranged through an irrevocable letter of credit to be opened by the Bank of India, Tokyo in their favour under the OECF Yen Credit (Project Aid) No. ID-P51 for 1987-88 the details of which are given in Section VII below.

II (iv) Eligibility of supplier

The suppliers shall be nationals of the eligible source countries, or juridical persons incorporated and registered in eligible source countries and controlled by nationals of the eligible source countries.

II (v) Permissible imports from non-eligible source countries

Financing of goods which contain materials originating from a non-eligible source country or countries may be made, provided that the imported portion is less than fifty per cent (50 per cent) of the price per unit of such products in accordance with the following formulae.

$$\frac{\text{IMPORTED CIF PRICE} - \text{Import Duty}}{\text{Supplier's FOB Price}} \times 100$$

(In case of Indian supplier, Ex-factory price shall be adopted)

II. (vi) Declaration in Contract

The following declaration as to the eligibility of the goods and supplier, signed and dated by the supplier, shall be added to each contract.

"I the undersigned, hereby certify that the goods to be supplied are produced in -----(name of eligible source country).

I undersigned, further certify that to the best of my information and belief, the portion imported from the non-eligible source countries is less than fifty per cent (50 per cent) in accordance with the following formulae

$$\frac{\text{IMPORTED CIF Price} - \text{Import Duty}}{\text{Supplier's FOB Price}} \times 100$$

(Where applicable Ex-factory price)

"I the undersigned, hereby certify that—
(Name of the company) has been incorporated and
registered in—(Name of eligible source
country), and is controlled by nationals of—
(name of eligible source countries concerned)".

Section-III—Conditions to be incorporated in the supply contracts.

III (i) The following provisions should be specifically embodied in the supply contract :

- (a) The contract is arranged in accordance with the Loan Agreement between the Government of India and the Overseas Economic Cooperation Fund of Japan (OECF) dated the 10th February, 1988 concerning the Yen Credit No. ID-P-51 (Project Aid) for Haldia Port Modernization Project.
- (b) Payments to the supplier shall be made through an irrevocable letter of Credit to be issued by the Bank of India, Tokyo, under the loan Agreement No. ID-P-51 dated 10th February, 1988 between the Government of India and the Overseas Economic Cooperation Fund of Japan (OECF).
- (c) The suppliers agree to furnish such information and documents as may be required under the Yen Credit arrangements by the Government of India on the one hand and the OECF on the other.
- (d) Certificates (triplicate) in the forms indicated in II (VII) above.
- (e) In case the supplier is located in Japan, the supply contract should contain a clause that the Japanese supplier agrees to make shipping arrangements in consultation with the Embassy of India, Tokyo and that for this purpose he would keep the Embassy of India, Tokyo, informed of the delivery schedule of the goods involved and notify the Embassy of India atleast six weeks in advance of the shipping required so that suitable arrangements could be made. In exceptional cases, where the Indian Importers require it, this period of notice may be reduced. The Japanese supplier should also agree to send a cable advice to the importer after each shipment giving the necessary details and a copy thereof should be sent to the Embassy of India Tokyo.

Section IV : Review of Contract by OECF :

IV (i) Within stipulated period for placement of firm orders the licensee should forward 4 copies of the contract duly signed by both the importer and the supplier supported by order confirmation in writing by the supplier or their photocopies complete in all respects, together with two photocopies of the relevant and valid import license and two copies of the "Request for issue of L.A." in the form in Annexure II to the Department of Economic Affairs.

IV (ii) The above procedure will also apply to all contract amendments causing essential modifications to the contents of the contracts or in its price.

IV (iii) The Ministry of Finance (Deptt. of EA) will send Notice of conclusion of contract alongwith a copy of the Contract to OECF for its review. A copy each of the Notice of conclusion of Contract accompanied by the Contract will also be sent by Department of E.A. to Embassy of India, Tokyo and Office of CAA&A alongwith one copy each of "Request for issue of L.A." and photocopy of import licence.

Section V—Payment to the Overseas suppliers—Letter of Credit Procedure.

V (i) On receipt of the Notice of conclusion of contract and contract documents the Ministry of Finance, Department of Economic Affairs, the CAA&A will issue a letter of autorisation as in the form attached as Annexure-III addressed to the Tokyo Branch of the Bank of India for opening an irrevocable Letter of Credit as in the form attached as Annexure-IV (for imports) or Annexure-V (for services) in favour of the overseas supplier concerned. Copies of the Letter of Authorisation will be endorsed to OECF; the Embassy of India, Tokyo, the importer of the Importer's Bank in India, and Japan Section, Department of Economic Affairs, Ministry of Finance.

V (ii) On receipt of the letter of authority, the Bank of India, Tokyo, will establish an irrevocable letter of Credit as per Annexure-IV (applicable to imports) or V (applicable to services) in favour of the overseas suppliers concerned and will also forward a copy of the same to the OECF, Embassy of India, Tokyo, the Importer's bank in India and the CAA&A.

The above procedure of opening of letters of credit on the basis of the letters of authority from CAA&A would ipso-facto apply to all such amendments to letter of authorisation/letter of credit as may become necessary due to contract amendment or otherwise.

V (iii) The overseas supplier shall, after effecting shipment of goods, present through his bankers the documents specified in the letter of credit to the Bank of India, Tokyo. If the documents are found to be order, the Bank of India, Tokyo will release the amount specified in the documents to the overseas supplier through his bankers and will thereafter obtain reimbursement of the said amount from the OECF.

A letter of commitment will be issued by the OECF on receipt an amount equal to one-tenth per cent (0.1 per cent) of the contract value. This amount will be paid to itself from the loan/funds by OECF. The importer is required to deposit into the Govt. of India account the rupee equivalent of this letter of commitment charge on receipt of intimation of the payment from OECF or from the Controller of Aid Accounts, Ministry of Finance, Interest from the date of payment to OECF to the date of rupee deposit (both dates inclusive) at prevailing rates will also have to be paid by the importer.

A similar charge of 0.1 per cent is payable by the importer under the reimbursement procedure also.

V(iv) Banking charges payable to the Bank of India, Tokyo for opening the letter of credit, for negotiations thereunder and charges if any of overseas supplier's bankers are to be borne by the supplier/improper. Interest charges payable to the Bank of India, Tokyo for the period counting from the date of payment of the cost of imports by them to the overseas suppliers to the date of reimbursement by the OECF, shall be settled by the concerned importers bank in India by remittance to the Bank of India, Tokyo through normal banking channels without affecting the Government of India's account.

V (v) Reimbursement Procedure

Procedure for disbursement of the proceeds of the loan for the purchase of goods and services from Indian suppliers shall be in accordance with REIMBURSEMENT PROCEDURE of the loan agreement.

Section VI : Responsibility for rupee deposit :

VI (i) The Bank of India, Tokyo will forward the negotiable shipping documents to the accredited bankers of importers as indicated in the Appendix to the relevant Letter of Authority and the bankers will in turn ensure that the rupee deposits are invariably made at RBI, New Delhi or SBI, Tis Hazari, Delhi before releasing the shipping documents. Interest charges on the rupee-equivalents of the Yen payments calculated @12 per cent per annum for the first 30 days & @13 per cent per annum for the period in excess thereof reckoned from the date of payment by the Bank of India, Tokyo to the Overseas supplier to the date of actual rupee deposit have also to be deposited alongwith the principal payment, in terms of Public Notice No. 31-ITC(PN)/83 dated 10-8-83. It should be noted that interest is chargeable for both the days i.e. the day on which payment is made to the Overseas supplier and also the day on which rupee deposit is made in Government Account vide Public Notice No. 4-ITC(PN)/74 dated 31-5-74 as modified under Public Notice No. 103-ITC(PN)/76 dated 12-10-1976 and Public Notice No. 31-ITC(PN)/83 dt. 10-8-83.

The importer should make separate arrangements to ascertain the amounts and dates of payments made to the supplier. Late or delayed receipt of shipping etc. documents by the importer's Banker from Bank of India, Tokyo will not be acceptable as reason for waiver of partial or full amount of the interest due on the rupee deposits.

The exchange rate to be adopted for computing the rupee equivalent of the Yen payments made to the overseas suppliers will be composite rate of exchange applicable to the date of payment which will be worked out in accordance with the method prescribed in Public Notices No. 109-II(PN)/74 dated 3-8-1974 and No. 8-ITC(PN)/76 dated 17-1-1976 or as may be notified by Government from time to time through Public Notices of the CCI&F or through Exchange Control Circulars of the Reserve Bank of India. Any change in this regard as also in regard to the rate of interest will be notified as and when

necessary. It will be responsibility of the Indian Bank concerned to ensure that the amounts due are correctly deposited into Government account before the import documents are handed over to the importers. The importer should also ensure that the amounts due are correctly deposited into Government account before taking delivery of the documents from their Bankers. It is the responsibility of the importer to ensure that the amount due are correctly deposited into the Government account promptly even when they obtain delivery of the good, from the Customs authorities under exceptional circumstances. In case the importer fails to deposit the amounts due to Government before taking delivery of the goods, the issue of further IAS to him may be stopped and the matter reported to CCI&F so that no further import licence is issued to such an importer. The Head of Account to which the above rupee deposits should be credited is "K-Deposits and Advances-843-Civil Deposits-Deposits for purchase etc. abroad-Purchase under Credits/Loan agreements" Loan from the Government of Japan 2,000 Billion Yen Credit No. 1D-P-51 for the Cochin Division of FACT.

VI (ii) The amount referred to above should be deposited in cash to the Credit of the Government either in the Reserve Bank of India, New Delhi indicating code No. 5130000009 the right hand corner of the Challan or State Bank of India Tis Hazari, Delhi as contemplated in Public Notices No. 184-ITC(PN)/68 dated 30-8-1968 No. 233-ITC(PN)/68 dated 24-10-1968, No. 132-ITC(PN)/71 dated 5-10-1971 No. 74-ITC(PN)/74 dated 31-5-1974 and No. 103-ITC(PN)/76 dated 12-10-1976.

VI (iii) The concerned Bank in India shall also furnish such additional deposit in the same manner stipulated above as may be requested by the Government of India, Ministry of Finance, Department of Economic Affairs, on account of service charges within seven days after such a demand is made by Ministry of Finance (Department of Economic Affairs). While filling in the various columns in the challan it should be ensured by the importers/their bankers that information prescribed in para 2 of Public Notice No. 132-ITC(PN)/71 dated 5-10-1971 is invariably indicated in the column "full particulars of remittances and authority (if any)" of the Challan. The following particulars should invariably be furnished in the treasury Challans :—

- (a) Ministry of Finance letter of authority No. and date.
- (b) Amount of Yen currency in respect of which deposits are to be made together with rate of conversion adopted.
- (c) Date of payment to the overseas supplier.

Thereafter the Treasury Challans evidencing the Rupee deposits should be sent by registered post to the CAA&A indicating reference to the letter of authorisation issued by him and also enclosing copies of the invoice and shipping documents.

Note : Importer's Bank in India should ensure that the rupee deposits are invariably made within 10 days of the receipt of the advice of payments and negotiable shipping documents from the Bank of India, Tokyo and that the CAA&A Ministry of Finance (DEA), New Delhi is kept informed of the fact immediately thereafter.

VI (iv) The concerned bank in India should also endorse the amount of rupee deposits on the exchange control copy of the licence and send the requisite "S" Form to the Reserve Bank of India, Bombay.

Section VII—Miscellaneous provisions.

VII (i) Reports on the utilisation of the import licence.

The importer should send a monthly report, after the letter of credit has been opened regarding shipment and payments made there against and about the balance left, to the Controller of A/c Accounts & Audit, Department of Economic Affairs, Ministry of Finance, UCO Bank Building, Parliament Street, New Delhi.

VII (ii) Notifying suppliers of Special Conditions.

The licence should apprise the supplier of any special provisions in the import licence which may affect the suppliers in carrying out the transaction.

VII (iii) Disputes.

It should be understood that the Government of India will not undertake any responsibility for disputes, if any, that may arise between the licensee and the suppliers. The conditions to be fulfilled by the supplier before payment by the Bank of India, Tokyo must be clearly spelt out by the importer in Annexure-II under "Terms of Payment". Provisions dealing with settlement of disputes should be included in the conditions of contract.

VII (iv) Future Instructions.

The licensee shall promptly comply with any directions instructions or orders issued by the Government of India from time to time regarding any and all matters arising from or pertaining to the import licence and for meeting all obligations under the Yen Credit Agreement (Project Aid) No. ID-P-51 with the Overseas Economic Co-operation Fund of Japan (OECF).

VII (v) Breach or violation.

Any breach or violation of the conditions set forth in the above clauses will result in appropriate action under the Imports and Exports (Control) Act.

VII (vi) List of Annexures

Annexure—I List of eligible source countries.

Annexure—II Request for issue of Letter of Authority.

Annexure—III Form of Letter of Authority.

Annexure—IV Form of Letter of Credit (Applicable to imports).

Annexure—V Form of Letter of Credit. (Application to services).

ANNEXURE I.

LIST OF ELIGIBLE SOURCE COUNTRIES

A. Developing countries and Territories

(a) Non-OPEC Developing Countries.

I. AFRICA, North of Sahara	St. Helena and Dep (2)
Egypt	Sao Tomé and Príncipe
Morocco	Senegal
Tunisia	Seychelles
	Sierra Leone
	Somalia
II. AFRICA, South of Sahara	Sudan
Angola	Swaziland
Benin	Terro, Afars and Issas
Botswana	Togo
Burundi	Uganda
Cameroon	U. Rep. of Tanzania
Cape Verde Islands	Upper Volta
Central African Rep.	Suile Republic
Chad	Zambia.
Comoro Islands	III. AMERICA, North and Cent.
Congo, People's Republic of Dahomey	
Equatorial Guinea(1)	Bahamas
Ethiopia	Barbados
Gambia	Belize
Ghana	Bermuda
Guinea	Costa Rica
Ivory Coast	Cuba
Kenya	Dominican Republic
Lesotho	El. Salvador
Liberia	Guadeloupe
Malagasy Republic	Guatemala
Malawi	Haiti
Mali	Honduras
Mauritania, Mauritius	Jamaica
Mozambique	Martinique
Niger	Mexico
Portuguese Guinea	Netherlands Antilles
	Nicaragua
Reunion	Panama
Rhodesia	St. Pierre & Miquelon
Rwanda	Trinidad and Tobago.

(1) Formerly the territory of Spanish Guinea, including the island of Fernando Po.

(2) Including the following islands: Ascension, Tristan da Inaccessibles, Nightingale, Gough

(3) Main Islands, Aruba, Curaçao, Curacao, Saba, St.

III. AMERICA, North & Central—Contd. West Indies (sr.) n.i.e. (a) Associated States (1) (b) Dependencies (2)	VII. ASIA, Far East. Brunei Hong Kong Khmer Republic Korea, Republic of Macao Malaysia Philippines Singapore Taiwan Thailand Timor Vietnam, Rep. of Vietnam Dem. Rep.
V. AMERICA, South Argentina Bolivia Brazil Chile Colombia Falkland Island French Guinea Guyana Paraguay Peru Surinam Uruguay.	VIII. OCEANIA Cook Islands Fiji Gilbert & Ellice Is. French Polynesia (5) Nauru New Caledonia New Hebrides (Br. & Fr.) Niue Pacific Islands (US) (6) Papua New Guinea Solomon Islands (Br.) Tonga. Wallis and Futuna Western Samoa.
VI. ASIA, Middle East. Bahrain Israel Jordan Lebanon Oman Syrian Arab Republic United Arab Emirates (3) Yemen Arab Republic Yemen, People's D.R. (4)	IX. EUROPE Cyprus Gibraltar Greece Malta Spain Turkey. Yugoslavia.
VI. ASIA, South Afghanistan Bangladesh Bhutan Burma India Maldives Nepal Pakistan Sri Lanka.	

1. Main Islands: Anguilla, Dominica, French St. Kitts, St. Christopher, Nevis-Anguilla, St. Lucia and St. Vincent.
2. Main Islands: Montserrat, Cayman, Turks and Caicos, and British Virgin Islands.
3. Ajman, Dubai, Fajirah, Ras al Khaimah, Sharjah and Umm al Quaiwain.
4. Including Aden and various sultanates and emirates.
5. Comprising the Society Islands (including Tahiti) The Austral Islands, the Tuamotu-Gambier Group and the Marquesad Islands.
6. Trust Territory of the Pacific Islands: Caroline Islands, Marshall Islands and Marine Islands (except Tuam.)

A. Member of Association countries of OPEC.

Algeria
Bolivia
Libyan Arab Republic
Gabon
Nigeria

Ecuador
Venezuela
Iran
Iraq
Kuwait
Qatar
Saudi Arabia
Abu Dhabi
Indonesia.

B. OPEC Countries.

Australia
Belgium
Canada
Denmark
Finland
France
The Federal Republic of Germany
Greece
Iceland
Ireland
Italy
Japan
Luxemburg
The Netherlands
New Zealand
Norway
Portugal
Spain
Sweden
Switzerland
Turkey
The United Kingdom & The United States.

ANNEXURE-II

REQUEST FOR ISSUE OF THE LETTER OF AUTHORITY

No. _____ Date : _____

To

The Controller of Aid Accounts & Audit,
Ministry of Finance,
Department of Economic Affairs,
UCO Bank Building, 1st Floor,
Parliament Street,
New Delhi - 110001.

Sub : Import of _____ From _____ under the Yen Credit
No. ID-P- _____ (Project Aid for 198-8)

Sir,

In connection with the import _____ from _____ under the above mentioned Yen Credit No. ID-P _____ (Project Aid) we furnish the following particulars to enable you to issue the Letter of Authority to the _____ (name) of the Bank) which should be the same as given in (p) below for opening a letter of credit in favour of the overseas supplier concerned.

- (a) Name and Address of the Indian importer.
- (b) Number, date and value of the import licence and date up to which it is valid.
- (c) Method of procurement whether it is based on direct purchase or formal Open International tendering in which case it should be indicated whether the con-

tract has been awarded on the basis of technically suitable offer with reasons, if any.

- (d) Brief description of the goods.
- (e) Origin of the goods.
- (f) Percentage of the import components from non-eligible source countries, if any.
- (g) Gross FOB/C&F value of contract (in Yen).
- (h) Amount of Indian agents commission (in Yen) if any.
- (i) Net FOB/C&F value (in Yen) for which the Letter of Authority is required.
- (j) Number and date of the contract with overseas suppliers.
- (k) Name and address of the Overseas supplier :
- (l) Payment terms and probable dates on which payments under the contract will fall due.
- (m) Expected date of completion of deliveries.
- (n) Documents to be presented at the time of payment to Bank of India, Tokyo (indicating No. of sets of each and their disposal).
- (o) Shipment instructions (indicate if transshipment/part-shipment permitted or not permitted).
- (p) Name and address of the importer's bank in India.
- (q) Whether a contract (s) under the same licence has been placed and notified to the Japanese authorities, and if so, the No., date and value of each such contract and the reference of the Ministry of Finance under which it has been notified to the OECF.
- (r) Whether the banking charges payable to Bank of India, Tokyo for operation and maintenance of Letter of Credit are to be borne by the Importer/or supplier.
- (s) Undertaking by the importer : —

"We hereby undertake to make full and correct deposit of the rupee equivalent etc. of the payment made to the foreign supplier in the manner and at the rate prescribed by Government. The deposits will be made promptly before taking delivery of each consignment of the goods (material imported). In case of payments for services of foreign nationals, the deposits will be made as soon as the relevant invoices of the foreign suppliers are approved by us and the payments made to the suppliers."

ANNEXURE - III.

No.F.

GOVERNMENT OF INDIA
MINISTRY OF FINANCE
Department of Economic Affairs

New Delhi, the

To

The Bank of India,
Tokyo Branch,
Tokyo (Japan).

Sub :

Important under Yen Credit (project Aid)
Loan Agreement No. ID-P ——— Issue of Letter
of Authority for opening Letter of Credit.

Dear Sirs,

In accordance with the terms and condition, of the agreement dated 25-3-1980 - entered into with your Bank, you are hereby authorized to open irrevocable Letter of Credit for an amount Not exceeding Yen ——— favouring M/s. ——— per attached details.

2. A copy each of the letter of credit opened by your Bank may be endorsed to the importer's Bank, to the OECF, Embassy of India, Tokyo and to us.

3. Payments to the suppliers in terms of the letter of credit will be made initially out of your own funds. After payments, you must claim immediately reimbursements of the amounts paid by furnishing necessary document to the OECF.

4. On making payment to the foreign supplier you should send to ——— (Name and address of the importers Bankers) the original shipping documents (negotiable) as well as additional complete set of the documents and a copy of the debit advice for the payments made to the supplier including the down payment if any.

5. Interest charges payable to you, for the time lag between the date of payment by you to the supplier and the date of its reimbursement to you by the OECF, shall be settled by you with the concerned Importers bank in India thorough norWal banking channels without affecting the Government of India's account. The other banking charges including those on account of opening maintenance and for the operation of the Letter of Credit as also those connected with handling negotiating documents and charges of overseas supplier/importers if any are to be borne by the overseas supplier importer and may, therefore, be recovered from the supplier/importer directly. No. reimbursement of such charges is to be claimed from the latter, /importer

6. As and when payment is made by you and reimbursement is made to you, an advice in the prescribed form should be sent to this Ministry.

7. This Letter of Authority is intended for opening of L/C favouring the overseas suppliers. Subsequent amendments to L/C or further fresh L/Cs against this authorisation may not be acted upon in the absence of a specified authority from this Ministry.

8. This Letter of Authority will remain valid upto ———.

9. Please quote the number given at the top of this letter of instructions in all correspondence relating to the contract and also in the advice showing payment.

Yours faithfully,
(Accounts Officer)

Copy forwarded to : —

1. Importer ——— with reference to their letter No. ——— dated ———.

They are requested to arrange to deposit through their Bankers, the rupee deposits etc. at the prescribed rate and manner before taking delivery of the negotiable documents from the Bankers. In case due to exceptional circumstances delivery of goods is obtained directly from the Customs and Port authorities without furnishing the original shipping documents, the deposits should be made before taking the delivery. In the case of payments for services rendered by foreign nationals, the deposits should be made as soon as the

relevant invoices are approved for payment. Failure to take the deposits promptly and correctly may entail action as mentioned in the Licensing conditions.

2. (i) Importers' Banker..... This has reference to import Licence No. D., .. This letter of authorisation issued under the relevant licensing conditions governing the imports under Yen Credit. The licensing conditions and connected Public Notice/order etc. may be referred to and appropriate action taken concerning the Export/foreign payment.

2(ii) They are requested to arrange to deposit the rupee equivalent of the Yen payment to the overseas suppliers on receipt of document from the Bank of India, Tokyo Branch. The rupee equivalent of amount disbursed to the suppliers will have to be calculated by applying the composite rate of conversion as prevailing on the date of payment to the overseas suppliers in accordance with the Public Notice No. 8-ITC(PN)/76 dated 17-1-1976 or such other Public Notices as may be issued from time to time. Interest @12% per annum for the first thirty days and at the rate of 18% per annum for period in excess thereof reckoned for the period between the date of payment to the supplier/date of reimbursement at Bank of India and the date on which the rupee equivalents are deposited into the Government Account is also required to be deposited into the Government Account in terms of Public Notice No. 31-ITC(PN)/83 dated 10-8-83. The interest is payable for both the days i.e. the day on which payment is made to the Overseas suppliers and also the date on which rupee deposits is made into Government Account. (Any change in this rate will be intimated if and when made). It should be ensured that these deposits are made before the original set of import documents are handed over to the importer for Customs clearance.

These amounts should be deposited either with the RBI, New Delhi indicating Code No. 513000009 on the right hand corner of the challan or the SBI, Tis Hazari, Delhi. In this connection, their attention is also invited to the provisions of the Public Notice No. 134-ITC(PN)/73 dated 30-8-1968, 233-ITC(PN)/68 dated 24.10.1968, 132-ITC(PN)/71 dated 5.10.1971, No. 74-ITC(PN)/74 dated 31.5.1974 and No. 103-ITC(PN)/76 dated 12-10-1976. The head of account to be credited is "K-Deposits & Advances-843-Civil Deposits-Deposit for purchases etc abroad under purchases under Credit/Loan Agreements"-Loans from the Government of Japan----- billion Yen Credit (project Aid) No. ID-P----- for 198-8 -

One copy of the challan in original, in cases where the rupee equivalents are credited in cash at the RBI, New Delhi or the SBI, Tis Hazari, Delhi as prescribed in Public Notice No. 132-ITC(PN)/71 dated 5-10-1971 should be sent by them to the address given below alongwith a forwarding letter giving full details of the advice notes received from the Bank of India, Tokyo Branch.

The Controller of Aid Accounts & Audit, Ministry of Finance (Department of Economic Affairs), 1st Floor, UCO Bank Building, Parliament Street, New Delhi - 110 001.

In cases where the rupee equivalents are remitted by means of demand drafts as laid down in the Public Notice dated 24.10.1968 mentioned above, intimations thereof should be sent to the address given above. In all cases full particulars of the rupee equivalents deposited should be furnished to this Department.

2512 GI 88-4

Interest charges payable to the Bank of India, Tokyo for the time lag between the date of payment to the supplier and the date of its reimbursement to the Bank of India, Tokyo by the OECF shall be settled directly by you with the Bank of India, Tokyo through normal banking channel without affecting the Government of India's account.

3. The Director, Loan Department-II, Overseas Economic Cooperation Fund, Takebashi Gode Building, 4-1, Otho-Wachi 1-Chome, Chiyoda-Ku, Tokyo 100, Japan.

4. Embassy of India, Tokyo.

5. The Under-Secretary, Japan Section, Ministry of Finance, Department of Economic Affairs, N. Delhi.

Accounts Officer.

ANNEXURE—IV

Form OECF—LCI

Irrevocable Letter of Credit
(Applicable for Goods)

Date:

To

This letter of Credit has been issued pursuant to Loan Agreement No.
Dated:
between (Borrower) and THE OVERSEAS ECONOMIC CO-OPERATION FUND.

Dear Sirs,

We advise you that we have opened our irrevocable Credit No. in your favour for account of for a sum of sums not exceeding an aggregate amount of (Say Yen) available by your drafts at sight for full invoice value drawn to us to be accompanied by the following documents:—

Signed commercial invoice in full set of clean on board ocean bills of lading made out to order and blank endorsed and marked "Freight and Notify" other documents.

evidencing shipment of (brief description of goods to be shipped referring to contract No. (if any) from to partial shipments are permitted. Bills of lading must be dated not later than Drafts must be presented for negotiation not later than

All Drafts and documents under this credit must be marked.... irrevocable Credit No. dated and Import Reference No(s). (if any).

This credit is not transferable.

We hereby undertake that all drafts drawn under and in compliance with the terms of the credit shall be duly honoured on due presentations and delivery of documents to the drawee.

Unless otherwise expressly stated, this credit is subject to "Uniform Customs and Practice for Documentary Credits (1974 Revisions), International Chamber of Commerce Brochure No. 290."

Special Instructions to the negotiating banks:

1. After obtaining the reimbursement for our payments, from THE OVERSEAS ECONOMIC COOPERATION FUND in accordance with the provisions of the Letter of

Commitment issued thereby under the above mentioned Loan Agreement, we undertake to remitte the account of the drafts in accordance with instructions issued by the negotiating bank.

2. The negotiating bank must forward the drafts and one complete set of documents to us together with the certificates stating that the remaining documents have been airmailed direct to—.

3. All banking charges under this credit are for the account of importer/supplier.

Yours faithfully,

(a commercial bank)
By: _____
(Authorised signature)

This payment terms constitutes and integral part of our Letter of Credit No. _____.

I. Initial Payment

Amount: Y _____
being _____ % of the total contract price.

Required documents:
Latest Presentation date:

II. Intermediate Payment (if any)

Amount: Y _____
being _____ % of the total contract price.

Required documents:
Latest presentation date:

III. Payment against shipping Documents

Amount: Y _____
being _____ % of the total contract price.

Note: This attached sheet is not required in case of full payment against shipping documents.

ANNEXURE—V.

Form OECF—L.C. II

Irrevocable letter of Credit
(Applicable for Service)

To _____ Date: _____
_____ This letter of Credit has been
_____ issued pursuant to Loan Agree-
(Name & Address of the ment No. _____ dt. _____
Supplier) between (Borrower) and
THE OVERSEAS ECONOMIC
COOPERATION FUND.

Dear Sirs,

We advise you that we have opened our irrevocable Credit No. _____ in your favour for account of for a sum of sums not exceeding an aggregate amount of Y _____ (Say Yen _____) available by beneficiary's drafts at sight for full statement value drawn on us.

To be accompanied by the required documents, in accordance with the Payment Schedule attached hereto, concerning Contract No. _____ with regard to _____ Project. Drafts must be presented for negotiation not later than.

All drafts and documents must be marked "Drawn under irrevocable Credit No.

This credit is not transferable.

We hereby undertake that all drafts drawn under and in compliance with the terms of the credit shall be duly honoured on due presentation and delivery of documents to the drawee.

Unless otherwise expressly stated, this credit is subject to "Uniform Customs and Practice for Documentary Credits (1974 Revision), International Chambers of Commerce Brochure No. 290."

Special instructions to the negotiating bank:

1. After receipt of the original statement of Performance issued by (Borrower of its designated authority) in accordance with the form attached hereto, payment(s) under this credit must be made in accordance with the payment schedule stipulated in the sheet attached hereto. In case of the initial payment the beneficiary's statement required in tead of the above mentioned statement of Performance.

2. After obtaining the reimbursement for our payment for the OVERSEAS ECONOMIC COOPERATION FUND in accordance with the provisions of the Letter of Commitment issued thereby under the above-mentioned Loan Agreement, we undertake to remit the amount of the drafts in accordance with the instructions issued by the negotiating bank.

3. A copy of the documents as mentioned in item 1 above and the drafts shall be sent to us immediately after the receipt thereof.

4. All banking charges under this credit are for the account of the importer/supplier.

Yours faithfully,

(a commercial bank)
By: _____
(Authorised Signatere)

PAYMENT SCHEDULE

This payment schedule constitutes an integral part of our Letter of credit No. _____.

I. Initial Payment

Amount: Y _____
being _____ % of the total contract price
Required documents: beneficiary's statement
Latest presentation date:

II. Progress Payment:

Aggregate amount: Y _____
being _____ % of the total contract price to be paid as follows

	Amount due	Latest presentation
1st Instalment: Y	_____	_____
2nd Instalment: Y	_____	_____

Required document:

A copy of State of Performance issued by (Borrower or its designated authority), a form of which is attached hereto.

STATEMENT OF PERFORMANCE 1

Date: _____

Ref. No.: _____

To _____

(Name and Address of the
Supplier)

(Borrower)

Re: Letter of Credit No. _____, dated
issued by _____
for Y _____ in favour of _____
concerning _____
Project under Loan Agreement No. _____,

I, the undersigned, representing (Borrower), hereby issued
a statement of Performance to entitle _____ to
receive the sum of Y _____
(Yen _____ Only) from THE OVERSEAS ECONO-
MIC COOPERATION FUND in accordance with the Pay-
ment, Terms stipulated in the Contract No. _____,
dated _____ between _____ and
_____.

By: _____

(Authorised Signature)

Special Instructions:

The details of the actual performance shall be stated in the
sheet attached hereto.

